https://www.facebook.com/Kamal.Sandesh/ www.kamalsandesh.org @kamalsandeshbjp

कमल संदेश

‘मोदी सरकार ने लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया’

वर्ष-14, अंक-09 01-15 मई, 2019 (पाक्षिक) ₹20

लोग कर रहे हैं नए भारत के लिए मतदान

लोकसभा चुनाव पर विशेष | एकांगी नहीं, समाज का सर्वांगीण विचार आवश्यक | महागठबंधन : एक ढकोसला

गांधीनगर (गुजरात) में एक रोड शो के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

गांधीनगर (गुजरात) में डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

रायगंज (पश्चिम बंगाल) में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

शहडोल (मध्य प्रदेश) में एक विशाल रैली को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह

सांगोला (महाराष्ट्र) में एक विशाल चुनावी जन सभा को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी

कमल संदेश
पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
सत्यपाल
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
वेबसाइटः www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 आतंकवाद, भ्रष्टाचार, गरीबी हटाना मिशनः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक चुनावी जनसभा के दौरान कहा कि आतंकवाद, भ्रष्टाचार और गरीबी हटाना उनका मिशन है।

वैचारिकी

एकांगी नहीं, समाज का सर्वांगीण विचार आवश्यक 23

श्रद्धांजलि

भैरोंसिंह शेखावत 25

लेख

नरेन्द्र मोदी के समर्थन में सुनामी प्रतीत होती है...................... 20

महागठबंधन : एक ढकोसला.. 22

मोदी सरकार में प्रशासनिक सुधार के लिए बड़ी पहल............ 30

अन्य

हमारे लिए देश की सुरक्षा सर्वोपरि हैः अमित शाह................... 24

भारत में बने गाइडेड मिसाइल विध्वंसक पोत 'इंफाल'............... 30

भारतीय नौसेना और ऑस्ट्रेलिया की नौसेना का संयुक्त अभ्यास..... 30

देश भर के 400 से अधिक साहित्यकारों ने दिया समर्थन... 32

बुद्धिजीवियों द्वारा शुरू की गयी 'एकेडेमिक्स फॉर नमो' अभियान... 33

11 घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर खदेड़ा जाएगा : अमित शाह

भरतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि हमारा बहुमत आने वाला है......

12 मन में गाठें हैं फिर भी कर रहे गठबंधनः राजनाथ सिंह

केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जिनके मन में गाठें हैं, फिर भी वो गठबंधन कर रहे हैं।

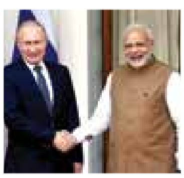

14 संयुक्त अरब अमीरात के बाद रूस ने भी नरेंद्र मोदी को दिया सर्वोच्च नागरिक सम्मान

संयुक्त अरब अमीरात के बाद रूस ने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को अपने देश...

16 मंत्रिमंडल ने जीएसएलवी के चौथे चरण को जारी रखने की मंजूरी दी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 अप्रैल को जीयोसिंक्रोनस सेटेलाइट लांच व्हेकिल (जीएसएलवी).....

प्रकाशक एवं मुद्रकः डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

@narendramodi

हर गांव में बिजली
हर गरीब को घर
हर खेत को पानी
यह है चौकीदार का काम
जबकि कांग्रेस का तरीका है झूठे वादे।

@AmitShah

2019 का यह चुनाव महामिलावटी लोगों द्वारा समाज में फैलाए जा रहे जातिवाद के जहर और मोदी सरकार के राष्ट्रवाद के अमृत का चुनाव है। यह चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में 'मजबूत सरकार' बनाम महामिलाविटी विपक्ष के 'मजबूर सरकार' के बीच का चुनाव है।

@Ramlal

राहुल गांधी ने पहले झूठा वक्तव्य देकर माननीय उच्चतम न्यायालय की अवमानना का प्रयास किया फिर कार्यवाही के भय से अपनी ग़लती स्वीकार की। कांग्रेस व राहुल गांधी के इस झूठे चरित्र को पूरा देश देख रहा है।

facebook

कांग्रेस ने युवाओं को 4 हजार बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था। मध्यप्रदेश में मोबाइल फैक्टरी लगाने का वादा किया था। कोई वादा पूरा नहीं किया। सबको ठगने का काम कांग्रेस ने किया। एक-एक को पकड़कर कांग्रेस वाले पैसा वसूल रहे हैं। 15 साल बाद सत्ता में आये हैं, तो पूरी तरह से लूट मचा दी है। आयकर विभाग ने छापा मारा तो 3 महीने में ही नोटों की थप्पियों पर थप्पियां निकल आईं।

— शिवराज सिंह चौहान

देश को 10 डीलर नहीं, 1 लीडर चाहिए, जो देश को नेतृत्व दे सके, और उसे विकास की राह पर आगे बढ़ाए। देश को अलग अलग विचार के बहुत सारे नेता नहीं, देश और जनहित के विचार वाला एक नेता चाहिए।
10 अलग अलग सिर वाले रावण की जगह एक विचार वाला लीडर बेहतर है।

— पीयूष गोयल

विगत 5 वर्षों में देश ने किसानों की प्रगति, अधोसंरचना व राष्ट्रीय सुरक्षा आदि में जो अद्वितीय परिवर्तन देखा है वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ही संभव है। इस विकास की विचारधारा के साथ चलते हुए जन-जन में श्री नरेंद्र मोदी जी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने का उत्साह है।

— डॉ. रमन सिंह

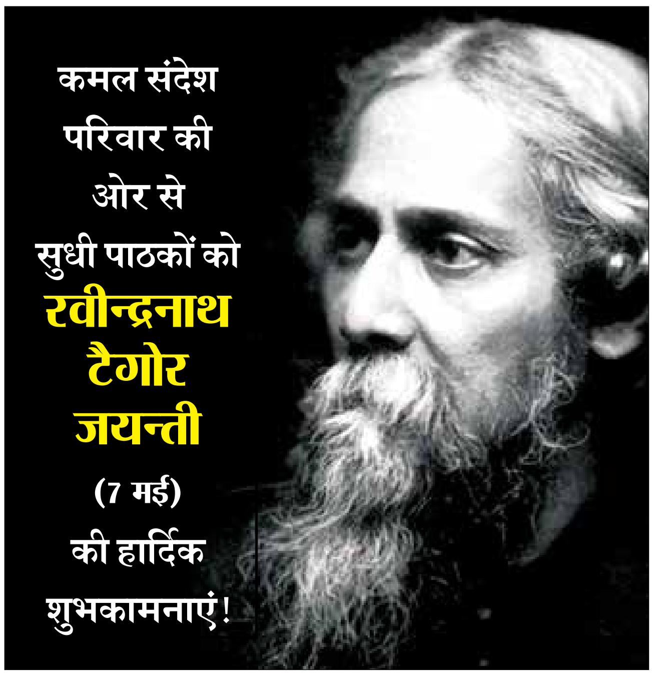

एक बार फिर मोदी सरकार

देश में लोकतंत्र का महोत्सव शुरू हो चुका है। लोकसभा चुनाव 2019 के दो चरणों के मतदान के बाद पुनः यह बात कही जा सकती है कि देश में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। जिस तरह से बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान में भाग लिया है वह वास्तव में देश के लिये अति उत्साहजनक संदेश है। भारतीय लोकतंत्र न केवल परिपक्व हुआ है, बल्कि जन–जन की अपेक्षाओं एवं आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बन गया है। देश में युवा, महिला, किसान, मजदूर, अनु.जाति, अनु.जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं गरीब- हर वर्ग के लोग अपने मतदान के माध्यम से अपने सपनों को साकार करने में योगदान दे रहे हैं। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में जन–जन के मन में यह विश्वास दृढ़ हुआ है कि उनके सपने साकार होना संभव है। देश में हो रहे उच्च मतदान से यह स्पष्ट है कि लोग श्री नरेन्द्र मोदी में देश का भविष्य देख रहे हैं और फिर से एक बार उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के लिये बड़ी संख्या में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

लोकसभा 2019 का चुनाव अपने–आप में अनूठा है। चुनावी पंडितों के लिये यह अचंभे की बात है कि पिछले पांच वर्षों की 'एंटी–इंकम्बेंसी' की जगह गांव–गांव एवं घर–घर में 'प्रो–इंकम्बेंसी' का बोलबाला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पिछले पांच वर्षों की दिन–रात की कड़ी मेहनत से देश की तस्वीर पूरी तरह से बदल चुकी है। घपले–घोटाले, भ्रष्टाचार एवं कुशासन के कांग्रेसी दौर से देश उबर चुका है और लोगों ने केन्द्र में एक भ्रष्टाचारमुक्त एवं निर्णायक सरकार को काम करते हुए देखा है। मोदी सरकार की पिछले पांच वर्षों में सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने पूरे देश को निराशा एवं असमंजस की स्थिति से निकालकर आशा एवं विश्वास के युग में प्रवेश करा दिया है। चाहे विश्व का कोई मंच हो या सुदूर गांव की कोई चौपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दृढ़निश्चयी नेतृत्व, दूरदर्शिता एवं कड़ी मेहनत से अपनी छाप छोड़ी है। अनेक अभिनव योजनाओं एवं राजनैतिक संकल्प के फलस्वरूप पूरा देश एक व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और पूरे विश्व में एक बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है।

पिछले पांच वर्षों में पूरे विपक्ष की यह विफलता रही कि आधारहीन आरोपों एवं झूठ की बुनियाद पर अपनी राजनीति को रखने के कारण जन–जन से वह पूरी तरह कट गई। रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाकर कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दलों को अपनी खोई हुई विश्वसनीयता को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए था, पर वे ऐसा करने से चूक गये। नकारात्मक राजनीति कर न केवल कांग्रेस एवं इसके सहयोगियों ने विकास की गति में अड़ंगे डालने का प्रयास किया, बल्कि राष्ट्रीय विषयों पर भी पूरे देश के साथ कदम से कदम नहीं मिला पाए। आतंकवाद पर पाकिस्तान की भाषा बोलकर एवं 'टुकड़े–टुकड़े गैंग' के समर्थन में खड़े होने से कांग्रेस नेतृत्व पूरी तरह से बेनकाब हो चुका है। इन चुनावों में जनता इन्हें सबक सिखाने के लिए बेताबी से इंतजार कर रही है।

नकारात्मक राजनीति कर न केवल कांग्रेस एवं इसके सहयोगियों ने विकास की गति में अड़ंगे डालने का प्रयास किया, बल्कि राष्ट्रीय विषयों पर भी पूरे देश के साथ कदम से कदम नहीं मिला पाए। आतंकवाद पर पाकिस्तान की भाषा बोलकर एवं 'टुकड़े–टुकड़े गैंग' के समर्थन में खड़े होने से कांग्रेस नेतृत्व पूरी तरह से बेनकाब हो चुका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में देश की राजनीति एक नये युग में प्रवेश कर गयी है। वंशवाद, भाई-भतीजावाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद एवं संप्रदाय की विभाजक राजनीति से ऊपर उठकर 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' की राजनीति से देश का जन-जन प्रेरित हो रहा है। यही कारण है क हाल के वर्षों में देश में हुए विभिन्न चुनावों में देश की जनता से कमल के फूल पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया है, देश के जन-जन को अब यह स्पष्ट है कि देश में विभाजक राजनीति जो कुछ स्वार्थी एवं स्व-केंद्रित नेताओं के इर्द-गिर्द बुनी गई है, उससे देश पिछड़ता ही चला गया है। अब देश को भविष्योन्मुखी नीतियों के साथ 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के निर्माण के लिये 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र पर पूरे देश को चलना होगा। अब तक के दो चरणों के मतदान से यह स्पष्ट है कि देश ने मन बना लिया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही देश आने वाले पांच वर्ष की यात्रा विकास एवं सुशासन के मार्ग पर चलकर तय करेगा। जिस प्रकार से पिछले पांच वर्षों में देश ने प्रगति के पथ पर कदम बढ़ाया है तथा पूरे विश्व में अपनी छाप छोड़ी है, उस गति को बनाये रखने के लिये पूरा देश आज श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को आवश्यक मानता है। एक नये भारत के स्वप्न को साकार करने के लिये आज पूरा देश बड़ी संख्या में अपने मतदान के माध्यम से भागीदारी कर रहा है। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)

आतंकवाद, भ्रष्टाचार, गरीबी हटाना मिशनः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक चुनावी जनसभा के दौरान कहा कि आतंकवाद, भ्रष्टाचार और गरीबी हटाना उनका मिशन है। श्री मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी का मिशन है- आतंकवाद को हटाना, भ्रष्टाचार को हटाना, बीमारी को हटाना, गरीबी को हटाना।

उन्होंने उत्तर प्रदेश की पूर्व की सरकारों में हुई अनदेखी का उल्लेख करते हुए कहा कि इतना बड़ा उत्तर प्रदेश और यहां इतने बड़े शक्तिशाली लोग लेकिन उत्तर प्रदेश का हिन्दुस्तान में जो स्थान बनना चाहिए था, ये यहां की राजनीति ने बनने नहीं दिया।

श्री मोदी ने कहा कि दुनिया में चेन्नई की चर्चा होती है। बेंगलूरू, मुंबई और अहमदाबाद की चर्चा होती है। मेरे उत्तर प्रदेश की होनी चाहिए कि नहीं। दुनिया के लिए उत्तर प्रदेश सबसे आकर्षण का केन्द्र बनना चाहिए कि नहीं।

सपा-बसपा पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग लोकसभा में प्रधानमंत्री का सपना देख रहे हैं। जो 40 सीट पर चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, वो क्या देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप कहते हैं कि आतंकवाद हटना चाहिए, लेकिन महामिलावट वाले कहते हैं कि मोदी हटना चाहिए।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती के मौके पर उन्हें याद करते हुए श्री मोदी ने कहा कि ये बाबासाहेब के संविधान की ताकत है कि दलित समाज से निकलकर एक सज्जन राष्ट्रपति पद पर हैं। ये बाबासाहेब का संविधान है कि एक चाय वाला भी प्रधानमंत्री बन सकता है।

उन्होंने कहा कि मोदी अपनी नहीं, बल्कि पूरे देश की सोचता है। आप सभी लोगों के सहयोग से बाबा साहब के बताए रास्ते पर चलने का इस चौकीदार ने प्रयास किया है। 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र पर सरकार चलाई है।

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा और इस चौकीदार पर इस विश्वास का कारण स्पष्ट है- पांच वर्ष के विकास का इतिहास और आने वाले पांच वर्ष में विकास की नई आस। सपा-बसपा सहित विपक्षी दलों को निशाने पर लेते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश 2014 में इन्हें बता चुका है कि जाति की स्वार्थ भरी राजनीति नहीं, विकास चाहिए।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने 2017 में फिर इन्हें बताया कि

जाति की स्वार्थ भरी राजनीति नहीं, सबका साथ सबका विकास चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि (पश्चिमी उत्तर प्रदेश में) कैसे बहन-बेटियों के साथ दुर्व्यवहार हुआ, कैसे लोगों को अपना घर, अपना कारोबार छोड़ना पड़ा, ये देश ने देखा है। जब पश्चिमी यूपी जल रहा था, मासूम लोग मारे जा रहे थे, तब उसके पीड़ितों की आवाज को अनसुना करने वाला कौन था?

उन्होंने कहा कि अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए ऐसे लोगों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों की दुख-तकलीफें, उन पर जो गुजरी, सब भुला दिया है। पश्चिमी यूपी में कितना बड़ा पाप हुआ, पूरा देश इसका गवाह रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को घर दिए जा रहे हैं तो इसका फायदा भी सबको हुआ है। सौभाग्य योजना के तहत बिजली का कनेक्शन भी हर परिवार को मिला है, चाहे वो किसी भी जाति का हो। श्री मोदी ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन दिया गया है तो इसका फायदा सबको हुआ है।

तिरुवनंतपुरम (केरल)

'केरल का बच्चा-बच्चा आस्था का चौकीदार बनकर खड़ा होगा'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 अप्रैल को केरल के तिरुवनंतपुरम में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपने जिस प्रकार से मोबाइल फोन का दीप प्रज्वलन कर इस पूरी जनसभा को रोशन कर दिया है, उसी तरह आपके पवित्र वोट से पूरा हिन्दुस्तान रोशन होने वाला है। पिछले पांच वर्षों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जो भरोसा आपने दिखाया, उसके कारण आज भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। जल में, थल में, नभ में और अंतरिक्ष में भी भारत सुरक्षित है।

श्री मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन से लेकर मिसाइल तक जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जो स्पेस से कंट्रोल नहीं होता

है। कल्पना कीजिए, अगर कोई गलत ताकत कभी स्पेस में हमारे संसाधनों पर हमला कर दे, तो क्या होगा! लेकिन हमारे देश को चिंता करने की जरूरत नहीं है। आपके इस चौकीदार ने हर क्षेत्र में सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था की है।

इस लोकसभा चुनाव के महत्त्व का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि इस बार का चुनाव सिर्फ एक सरकार बनाने के लिए नहीं है। आने वाले वर्षों में भारत एक विकसित देश कैसे बने, यह चुनाव इस बात के लिए है। भारत दुनिया की टॉप-3 इकोनॉमी के क्लब में कितनी जल्दी पहुंचेगा, आपके एक वोट से यह तय होना है। यह देश की आकांक्षाओं का चुनाव है। ऐसे में तिरुवनंतपुरम और केरल के हर वोटर पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

केंद्र सरकार द्वारा गांव-गरीब, किसान-मजदूर के लिए किए गए विकास-कार्यों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मछुआरा भाइयों को सशक्त करने के लिए केंद्र की एनडीए सरकार ने अनेक कदम उठाए। समय पर उन्हें खतरे का अलर्ट मिले, इसके लिए मछुआरों को नाविक डिवाइस दिए जा रहे हैं। बजट में हमने फिशरी के लिए अलग डिपार्टमेंट बनाने की घोषणा की है। मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा दी गई है। डीप-सी फिशिंग और बोट के आधुनिकीकरण के लिए भी मदद दी जा रही है। इस चौकीदार की सरकार ने 'सबका साथ सबका विकास' के सिद्धांत पर काम किया है।

देश की परंपरा और संस्कृति के प्रति भारतीय जनता पार्टी की कटिबद्धता को स्पष्ट करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारत में हजारों वर्षों से जो परंपराएं विकसित हुई हैं, उस पर हम राजनीति के लिए किसी भी प्रकार का प्रहार बर्दाश्त नहीं करेंगे। केरल का बच्चा-बच्चा इसका विरोध करेगा, आस्था का चौकीदार बनकर खड़ा होगा। आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि 23 मई के बाद जब एक बार फिर मोदी सरकार बनेगी तो कोर्ट से लेकर संसद तक हम आपकी आस्था के लिए लड़ेंगे। हम आस्था को संवैधानिक संरक्षण देने का काम करेंगे।

बागलकोट, चिकोड़ी (कर्नाटक)

'सबका साथ सबका विकास' हमारा मंत्र है और 'सबको सुरक्षा सबको सम्मान' हमारा प्रण है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के बागलकोट में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए 18 अप्रैल को कहा कि पिछले पांच वर्षों में भारत ने आत्मविश्वास और विकास की जो भी सीढ़ियां चढ़ी हैं, उसके पीछे सिर्फ और सिर्फ आपका आशीर्वाद है। मोदी ने सिर्फ आपके सेवक के नाते अपना काम किया है, कर्तव्य निभाया है। पिछले पांच वर्ष में हमने जो कड़े और बड़े फैसले लिए, वो आपके आशीर्वाद से ही संभव हो पाए हैं। आज हमारे देश में दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर स्कीम आयुष्मान भारत चल रही है।

श्री मोदी ने कहा कि कर्नाटक सहित देश के करीब 50 करोड़ गरीबों को हर वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों को पहली बार 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिल पाया है, वो भी किसी दूसरे का हक छीने बिना। पांच लाख तक के टैक्सेबल इनकम को हमने टैक्स के दायरे से बाहर कर दिया है। आजादी के इतिहास में पहली बार पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों पर भारत ने प्रहार किया है।

बागलकोट में केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं आपके बीच नए भारत के लिए सहयोग मांगने आया हूं। इस चौकीदार ने गरीब, दलित, वंचित, पिछड़ी बहनों को मुफ्त में एलपीजी कनेक्शन दिया। जितने भी सिलिंडर की जरूरत होती है, वो आज समय पर मिल रहे हैं।

केंद्र सरकार को मजबूत इरादों वाली दमदार सरकार बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि आपने जो मजबूत सरकार बनाई, उसका परिणाम है कि आज हम पाकिस्तान के भीतर जाकर आतंकवादियों को मारते हैं और पाकिस्तान दुनिया भर में रोता फिरता है।

उन्होंने कहा कि 23 मई के बाद एक बार फिर आप मोदी सरकार बनाएंगे तो हम देश की आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प फिर दोहराएंगे। हमें संकल्प लेना है कि भारत को आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्त करेंगे। हमारा संकल्प यह है कि 2022 तक देश के सभी गरीबों के सिर पर पक्की छत होगी। हमारा संकल्प यह है कि किसानों की आय दोगुनी करेंगे। भाजपा का संकल्प यह है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ सभी किसानों को देंगे।

केंद्र सरकार की उपलब्धियों और भाजपा के संकल्प पत्र की चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि सूखे से निपटने के लिए एक जलशक्ति मंत्रालय बनाया जाएगा। नदियों, समुद्र के पानी को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाएगा। गन्ना किसानों की समस्या को दूर करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना के तहत 60 साल की उम्र के बाद मजदूर भाइयों के लिए तीन हजार रुपये मासिक पेंशन का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 'सबका साथ सबका विकास' हमारा मंत्र है और 'सबको सुरक्षा सबको सम्मान' हमारा प्रण है। यह प्रण तब और मजबूत होगा, जब आप कमल के सामने बटन दबाएंगे। आपका एक-एक वोट सीधा-सीधा इस चौकीदार के खाते में जाएगा।

कर्नाटक के चिकोड़ी में प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के सामान्य मानवी का वोट यह तय करेगा कि महंगाई पर लगाम लगी रहेगी या फिर 2014 के पहले की तरह वो कंट्रोल से बाहर हो जाएगी। आपका वोट यह तय करेगा कि 'भारत माता की जय' कहने वालों को सम्मान मिलेगा या फिर टुकड़े-टुकड़े गैंग आपके बीच आकर 'भारत की बर्बादी' के नारे लगाएंगे। आपका वोट तय करेगा कि राष्ट्रवाद रहेगा या वंशवाद, भ्रष्टाचार और आतंकवाद।

अकलुज (महाराष्ट्र)

'राहुल पिछड़े समुदाय की छवि खराब कर रहे'

श्री राहुल गांधी के बयान "सभी मोदी चोर क्यों है" पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 17 अप्रैल को महाराष्ट्र के अकलुज में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने यह बयान देकर उस पिछड़े समुदाय की छवि खराब करने की कोशिश की है जिससे वह ताल्लुक रखते हैं।

श्री मोदी ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शरद पवार की "वंशवाद की राजनीति" की आलोचना की और कहा कि राकांपा प्रमुख माधा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में चुनावी मैदान से इसलिए "भाग" गए, क्योंकि उन्हें अपनी हार का अहसास हो गया था।

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों का कहना है कि समाज में सभी मोदी चोर हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने मेरी पिछड़ी जाति को अपशब्द कहने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस बार तो उन्होंने सीमाएं ही लांघ दीं और पूरे पिछड़े समुदाय को अपशब्द कह डाले।

श्री मोदी ने श्री गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि 'नामदार' ने पहले 'चौकीदार चोर है' कहा था। अब वे एक पिछड़े समुदाय की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। पिछड़े समुदाय से होने के कारण मैं इस पीड़ा का आदी हो गया हूं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछड़े समुदाय की मेरी पृष्ठभूमि को लेकर कई वर्षों से मेरा अपमान करती आई है। उन्होंने कहा कि मैं इस प्रकार के हमलों का आदी हो गया हूं। अब वे मुझे बदनाम करते

हुए पूरे समुदाय की छवि खराब कर रहे हैं। यदि आप पूरे समुदाय को अपमानित करने की कोशिश करते हैं तो मैं यह नहीं सहूंगा। मुझे चोर कह कर पूरे पिछड़े समुदाय को यह तमगा क्यों दिया जाए।

संबलपुर (ओडिशा)

'गरीबों तक केंद्रीय निधि पहुंचाने के लिए सरकार ने उठाए हैं कदम'

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 16 अप्रैल को ओडिशा के संबलपुर में कहा कि उनकी सरकार ने व्यवस्था तंत्र से कांग्रेस की मदद प्राप्त बिचौलियों को निकाल बाहर करने के लिए कदम उठाए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केंद्र से मिलने वाली पूरी धनराशि गरीबों तक पहुंच सके।

उन्होंने भाजपा के सत्ता में आने पर किसानों और मछुआरों के लिए कई कल्याणकारी उपाय करने की घोषणा की।

श्री मोदी ने कांग्रेस पर जनता के पैसे की बंदरबांट पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया और कहा कि उसके शासन में कई विवाद एवं घोटाले हुए। श्री मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों तक एक रुपए में से केवल 15 पैसे पहुंचते थे। शेष राशि अनैतिक तत्व हड़प लेते थे। इस चौकीदार ने यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए कि केंद्र से आने वाला धन लोगों तक पूरा पहुंचे।

उन्होंने कहा कि लोगों ने अतीत में चीनी घोटाले, राशन घोटाले और यूरिया कांड के रूप में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच असहाय एवं भ्रष्ट सरकार देखी है।

श्री मोदी ने खनन एवं चिटफंड घोटालों को लेकर बीजद सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि नवीन पटनायक नीत सरकार को केवल निजी हितों की चिंता है। उन्होंने कहा कि वे (बीजद) चिटफंड

एवं खनन घोटालों में शामिल लोगों को बचाने में लगे हैं, ऐसे में वे आम लोगों के बारे में कैसे सोच पाएंगे। मोदी सरकार ने दशकों पुराना खनन कानून बदला और सुनिश्चित किया कि निकाले गए संसाधनों से मिले धन का एक हिस्सा स्थानीय ढांचागत विकास में लगाया जाए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके 'महामिलावटी' मित्र इस 'चौकीदार' को बाहर करना चाहते हैं क्योंकि भाजपा ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की। श्री मोदी ने कहा कि आजादी के बाद से देश भ्रष्टाचार की मार झेल रहा था। भाजपा सरकार ने इन भ्रष्ट तरीकों पर लगाम कसी।

राज्य की पटनायक सरकार पर केंद्र सरकार की योजनाओं को अपना बताकर लोगों से छल करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक रुपये प्रति किलोग्राम चावल में केंद्र का योगदान प्रति किलोग्राम 29-30 रुपये तक का है।

उन्होंने कहा कि हालांकि राज्य का योगदान केवल एक रुपये या दो रुपये प्रति किलोग्राम का है। बीजद सरकार लोगों को गुमराह कर इसका श्रेय खुद ले रही है। उन्होंने कांग्रेस और बीजद पर धर्म और जाति के नाम पर लोगों से भेदभाव करने के आरोप लगाए और कहा कि इस दृष्टिकोण के कारण राज्य पिछड़ा बना हुआ है।

श्री मोदी ने देश के लिए अपनी योजनाएं साझा करते हुए कहा कि यदि भाजपा सरकार फिर से सत्ता में आती है तो वह अलग मत्स्य एवं 'जल शक्ति' मंत्रालय बनाएगी। उन्होंने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय यह सुनिश्चित करके देश में जल संकट समाप्त करेगा कि नदियों और समुद्रों का जल गरीबों एवं जरूरतमंदों तक पहुंचे। हम मछुआरों के कल्याण के लिए भी योजनाएं लाएंगे।

आणंद (गुजरात)

'हमने सरकारी योजनाओं को सरकार के दफ्तर से निकालकर जनभागीदारी और जनांदोलन से जोड़ दिया'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के आणंद में 17 अप्रैल को एक चुनावी जनसभा के दौरान केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि बीते पांच वर्षों में आप सभी के सहयोग से आपके आशीर्वाद से मैं सामान्य मानवी की मूल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े कदम उठा पाया। हम गरीबों के लिए पहले की सरकार के मुकाबले छह गुना ज्यादा घर बना पाए। ये आपके आशीर्वाद के कारण संभव हुआ है।

उन्होंने कहा कि हम गरीब बहनों के किचन तक मुफ्त में एलपीजी कनेक्शन पहुंचाने का काम भी कर पाए, तो उसका यश आपको जाता है। हर गांव, हर घर तक बिजली पहुंचाने का काम भी आपके आशीर्वाद से ही कर पाया हूं। आजादी के सात दशक के बाद शौचालय की सुविधा दे पाया हूं, तो वह भी आपके सहयोग से संभव हुआ है। देशभर के युवा साथियों को स्वरोजगार के लिए बिना गारंटी के करीब 7 लाख करोड़ रुपये ऋण दे पाया, वो भी आपके आशीर्वाद से दे पाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पांच वर्ष पहले आपने एक वोट से दिल्ली की सल्तनत को बदल दिया और वहां एक चौकीदार को बिठा दिया। आपके सहयोग से हमने वहां जाकर सरकार की पूरी सोच बदल डाली है। मैं आपको वादा करने आया हूं कि मैं सरदार साहब के सारे सपने पूरे करने के लिए अपने-आप को खपा दूंगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली से चलने वाली सरकार को हम दिल्ली से बाहर ले गए। सरकार को हम हिन्दुस्तान के हर कोने में ले गए। हमने सरकारी योजनाओं को सरकार के दफ्तर से निकालकर जनभागीदारी और जनांदोलन से जोड़ दिया। बीते 5 वर्ष हम आवश्यकताओं को पूरा करने की ओर बढ़े, अब हमें आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आगे बढ़ना है। ■

घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर खदेड़ा जाएगा : अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि हमारा बहुमत आने वाला है, बहुमत आया तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे, लेकिन गठबंधन वालों का नेता कौन है। बोले- गठबंधन की सरकार बनी तो सोमवार को ममता दीदी, मंगलवार को मायावती, बुधवार को चंद्रबाबू नायडू, गुरुवार को देवगौड़ा, शुक्रवार को स्टालिन, शनिवार को मुलायम सिंह प्रधानमंत्री बनेंगे और रविवार को सरकार छुट्टी पर चली जाएगी। यानी हर दिन नया प्रधानमंत्री। साथ ही भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदीजी के प्रधानमंत्री बनते ही घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर खदेड़ा जाएगा।

बदायूं में 13 अप्रैल को श्री अमित शाह भाजपा प्रत्याशी संघमित्रा मौर्य के समर्थन में इस्लामिया इंटर कॉलेज में आयोजित विजय संकल्प सभा को संबोधित करने आए थे। यहां उन्होंने न केवल विरोधियों पर जमकर प्रहार किए, बल्कि केंद्र की योजनाओं को भी जनता के सामने रखा। उन्होंने कहा कि जब देश में कांग्रेस की सरकार थी तो आतंकवादी हमारे जवानों का सिर काटकर ले जाते थे, कोई जवाब नहीं दिया जाता था, लेकिन इस बार जब आतंकवादियों ने पुलवामा में हमला किया तब नरेंद्र मोदी की सरकार थी।

हमले के 13 वें दिन ही 40 जवानों के बदले हमारे रणबांकुरे पाक के घर में घुसकर आतंकवादियों के अड्डों पर बमबारी करके उनके पुर्जे-पुर्जे उड़ाकर वापस आ गए। इस दिन पूरे देश में पटाखे छोड़े जा रहे थे, मिठाइयां बांटी जा रहीं थीं, लेकिन दो जगह मातम था। एक तो पाकिस्तान में और दूसरा बुआ-भतीजा और राहुल बाबा के यहां था। बोले- राहुल बाबा, आपकी पार्टी को आतंकवादियों से ईलू-ईलू करना है तो करो, यह हमारा काम नहीं है। पाकिस्तान से अगर गोली आएगी तो यहां से गोला जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि कश्मीर के अंदर चुनाव चल रहा है। राहुल बाबा के साथ नेशनल कांफ्रेंस ने गठबंधन किया है। उसके नेता उमर अब्दुल्ला ने स्टेटमेंट दिया कि कश्मीर में दूसरा प्रधानमंत्री होना चाहिए। जनता से सवाल किया कि बताओ, क्या एक देश में दो प्रधानमंत्री होने चाहिए।

वहीं, शाहजहांपुर के कांट क्षेत्र में हुई चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी के प्रधानमंत्री बनते ही घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर खदेड़ा जाएगा। घुसपैठियों से देश की सुरक्षा को भारी खतरा बना हुआ है। मोदीजी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने जब असम में 40 हजार घुसपैठियों को चिह्नित किया, तो विरोधी दल इकट्ठे होने लगे और राग अलापने लगे कि ये सब कहां जाएंगे, कैसे रहेंगे। ऐसा लगा कि घुसपैठिए इन सभी के चचेरे भाई हैं।

श्री शाह ने कहा कि पुलवामा हमले के बाद जब सेना ने पड़ोसी देश के घर में घुसकर आतंकवादियों को मारा तो राहुल बाबा एंड कंपनी साक्ष्य मांगने लगे। वह चाहते हैं कि जवानों को मारने वालों के साथ ईलू-ईलू खेला जाए, लेकिन मोदी जी ने कहा कि पाक से गोली आएगी तो भारत से गोला जाएगा। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि राहुल बाबा चाहते हैं कि देशद्रोह कानून खत्म कर खुली छूट दे दी जाए कि जिसे जो करना है, वह खुलकर करे। भाजपा देशद्रोहियों को सबक सिखाना चाहती है और सिखाकर रहेगी। ■

मन में गाठें हैं फिर भी कर रहे गठबंधन: राजनाथ सिंह

केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जिनके मन में गाठें हैं, फिर भी वो गठबंधन कर रहे हैं। यह लोग मोदीजी को रोकने के लिए एकजुट हुए हैं, लेकिन चुनाव बाद अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग गाने लगेंगे। वह 20 अप्रैल को जालौन गरौठा लोकसभा क्षेत्र के कालपी में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

श्री सिंह ने बुंदेलखंड के किसानों को लेकर कहा कि भाजपा ही उनकी हमदर्द है। अभी सीमांत किसानों के खाते में छह हजार रुपये आ रहे हैं, प्रयास है कि हर किसान के खाते में रकम भेजी जाए। पार्टी के घोषणा पत्र में शामिल किया गया है कि किसान क्रेडिट कार्ड से जो कर्ज लेते हैं, उसमें ब्याज नहीं लगेगा। एक लाख रुपये पांच साल के लिए बिना ब्याज पर दिए जाएंगे। 60 साल पूरे करने वाले किसानों और छोटे दुकानदारों को हर माह तीन हजार रुपये पेंशन दी जाएगी।

पुलवामा में हुए आतंकी हमले का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया के ताकतवर देशों में एक है। कश्मीर में जवानों की शहादत का हमने पाक की धरती पर बदला लिया, आतंकियों का सफाया कर दिया। उन्होंने कहा कि 2008 में मुंबई के ताज होटल पर आतंकी हमला हुआ था, काफी लोग मारे गए थे। उस समय मनमोहन सरकार थी, उसने क्या किया, सबने देखा। एयर स्ट्राइक पर नरेन्द्र मोदी की जय-जयकार का विरोध करने वालों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि 1971 के युद्ध में पाक दो टुकड़े हुए। उस समय हमारे नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने इंदिरा गांधी की प्रशंसा की थी, तो मोदी की जय-जयकार क्यों नहीं हो सकती है।

एंटी सेटेलाइट को लेकर श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों ने इसे 2007 में ही तैयार कर लिया था, उस समय यह ताकत रूस, अमेरिका और चीन के पास थी। उस समय मनमोहन सिंह ने इसे रोक दिया कि कहीं रूस, चीन और अमेरिका नाराज न हो जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैज्ञानिकों से कहा कि आगे बढ़ो, आज हमारे पास वह ताकत है कि किसी भी दुश्मन देश की सेटेलाइट को आकाश में टुकड़े-टुकड़े कर सकते हैं।

सबको साथ लेकर चलने का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि हम इंसान-इंसान में फर्क नहीं कर सकते हैं, सभी भारतवासी एक हैं। प्रत्याशी को सबके दरवाजे पर जाना होगा, भले ही वह वोट नहीं दें। आज नहीं तो कल, उनकी मानसिकता में बदलाव आएगा। भाजपा को विश्वसनीय पार्टी बताते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विश्वसनीय नेता श्री नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। ■

कांग्रेस की नीति हमेशा झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करने की रही है : नितिन गडकरी

छत्तीसगढ़ के जशपुर नगर में 19 अप्रैल को केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने पत्थलगांव में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राहुल गांधी और श्रीमती प्रियंका गांधी पर सीधे निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रियंका ने गंगा में आधुनिक मोटर बोट की सवारी की, यह मोदी सरकार की वजह से ही हो पाया। श्री गडकरी ने कांग्रेसी नेताओं पर प्रहार करने के साथ ही भाजपा सरकार के द्वारा किए गए कार्यों के विषय में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार राज्यों के आर्थिक विकास की नीति के साथ ही नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाली कई भावी योजनाओं पर काम कर रही है, जो भविष्य में देश के नागरिकों की जिंदगी को और बेहतर बनाएगी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर झूठ बोलने, सांप्रदायिकता फैलाने और भ्रष्टाचार का आरोप भी लगाया।

उन्होंने कहा कि मुसलमानों को सुरक्षा का भय दिखा कर साम्प्रदायिकता की राजनीति कर राहुल अब केन्द्र सरकार की गद्दी तक पहुंचना चाहते हैं। रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी गोमती के पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि जो काम पचास साल में नहीं हुआ वह काम मोदी सरकार में हो रहा है। आज देश की तस्वीर बदल रही है। गंगा अविरल और निर्मल बह रही है। सड़कों का तेजी के साथ निर्माण हो रहा है। जिन पर से होकर देश आगे बढ़ रहा है, तरक्की कर रहा है।

श्री गडकरी ने कहा, देश की अर्थव्यवस्था किसानों पर टिकी है। हमारी सरकार ने देश में किसानों के खेत तक पानी पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण योजना का क्रियान्वयन किया। छत्तीसगढ़ को चावल का कटोरा कहा जाता है। यहां किसानों के हित में चावल पर कई शोध हो रहे हैं। हमारा देश और इसके राज्य आर्थिक रूप से समृद्ध बनें। देश का नाम दुनिया के सुपर इकोनॉमिक पावर के रूप में बने, यही भाजपा की सरकार चाहती है। सरकार नवीन शोध को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार काम कर रही है, ताकि हर क्षेत्र में पूर्णतः तकनीकी कुशलता प्राप्त की जा सके। नागपुर में पैरावट से सीएनजी बनाने का नया प्रयोग किया है। हमारा सपना है कि देश में बायो सीएनजी से सभी वाहन चलें। आने वाले समय में प्लास्टिक की बोतलों की जगह बायो प्लास्टिक इथनोल की बोतलें ले लेंगी, जो पर्यावरण के अनुकूल होंगी और इन्हें तैयार करने में हमारे देश के किसानों की बड़ी भूमिका होगी। हम नए रिसर्च की ओर बढ़ रहे हैं। गांव-गरीब और मजदूर पर भाजपा सरकार का फोकस हमारी सरकार गांव-गरीब-मजदूर किसान के लिए कई काम कर रही है।

कांग्रेसी नेताओं पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि 1945 के बाद गरीबी हटाओ का नारा लगाकर इंदिरा व राजीव से लेकर मनमोहन तक प्रधानमंत्री बने, लेकिन गरीबी नहीं हटी। गरीबी अगर किसी की हटी तो कांग्रेस के लोगों की। राहुल गांधी और कांग्रेस झूठ बोलकर चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। कांग्रेस के लोग मुसलमानों को बोल रहे हैं कि आपको सुरक्षित रहना है तो हमें वोट दो। कांग्रेस के लोग आम लोगों को गुमराह कर साम्प्रदायिकता के नाम पर वोट मांग रहे हैं। हमारी सरकार में सीमेंट से बनने वाली रोड की गारंटी है कि वह सड़क दो सौ साल तक मजबूती के साथ टिकाऊ रहेगी। ■

संयुक्त अरब अमीरात के बाद रूस ने भी नरेंद्र मोदी को दिया सर्वोच्च नागरिक सम्मान

संयुक्त अरब अमीरात के बाद रूस ने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार देने का फैसला लिया। श्री मोदी को यह सम्मान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने में असाधारण योगदान और दोनों देशों के लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध को बढ़ावा देने के लिए दिया है। रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से 12 अप्रैल को इसकी जानकारी दी गई। साथ ही, रूसी दूतावास ने भी इसे लेकर एक ट्वीट किया।

गौरतलब यह भी है कि कुछ ही समय पहले श्री मोदी को संयुक्त अरब अमीरात से 'द आर्डर आफ जायेद' देने की घोषणा की गई थी।

रूसी सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को प्रोत्साहित करने में उत्कृष्ठ योगदान के लिये इस सम्मान के लिये चुना गया। रूस के एक अधिकारी के अनुसार 'द आर्डर आफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' विज्ञान, संस्कृति और कला के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को रूस की समृद्धि और गौरव को प्रोत्साहित करने के लिये उनके उत्कृष्ठ कार्यो के लिये प्रदान किया जाता है।

यह सम्मान उत्कृष्ट कार्य करने वाले विदेशी शासनाध्यक्षों को भी प्रदान किया जाता है। यह सम्मान पहले चीन के राष्ट्रपति श्री शी चिनफिंग, कजाख्स्तान के राष्ट्रपति श्री नुरसुल्तान नजरवायेव तथा अजरबैजान के राष्ट्रपति श्री ग्येदार एलियेव को प्रदान किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रूस द्वारा 'आर्डर आफ द सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' सम्मान के लिये नामित किये जाने पर रूसी राष्ट्रपति श्री

पुतिन और वहां के लोगों के प्रति आभार प्रकट किया तथा दोनों देशों के द्विपक्षीय और बहुस्तरीय सहयोग को नई ऊंचाइयां प्राप्त होने तथा उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ट्वीट किया, ''यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं राष्ट्रपति पुतिन और रूस के लोगों को धन्यवाद देता हूं।''

श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के सघन सहयोग से हमारे नागरिकों के लिये अभूतपूर्व परिणाम सामने आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन भारत-रूस मित्रता के शक्ति के महत्वपूर्ण स्रोत है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व से दोनों देशों के द्विपक्षीय और बहुस्तरीय सहयोग को नई ऊंचाइयां प्राप्त होंगी। ■

एनएससीएन/एनके, एनएससीएन/आर और एनएससीएन/के-खांगो के साथ संघर्ष विराम की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ी

भाजपानीत केंद्र की राजग सरकार ने 15 अप्रैल को केंद्रीय सरकार और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (नियोपाओ कोनयाक/कितोवी) (एनएससीएन/एनके) और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड/रिफोरमेशन (एनएससीएन/आर) के बीच संघर्ष विराम की अवधि 28 अप्रैल, 2019 से एक वर्ष के लिए बढ़ाने का फैसला किया। संघर्ष विराम अब 27 अप्रैल, 2020 तक प्रभावी रहेगा।

इस आशय के एक समझौते पर केंद्रीय सरकार की ओर से गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री सत्येन्द्र गर्ग और एनएससीएन/एनके की ओर से जीपीआरएन/एनएससीएन के निरीक्षक श्री जैक जिमोमी और एनएससीएन/आर की ओर से सचिव श्री तोशी लोंगकुमेर और निरीक्षक डॉक्टर अमेंटो चीशी ने हस्ताक्षर किए।

नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड/के-खांगो ने 15 अप्रैल से एक वर्ष की अवधि के लिए सरकार के साथ ताजा संघर्ष विराम समझौता किया। इस पर गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री सत्येन्द्र गर्ग और एनएससीएन/के-खांगो की ओर से निरीक्षक श्री न्यूएल नागा और सदस्य श्री माइकल येपथो ने हस्ताक्षर किए। ■

जम्मू-कश्मीर और पीओजेके के बीच एलओसी व्यापार पर रोक

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने 19 अप्रैल को आदेश जारी कर जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) व्यापार पर रोक लगा दी। भारत सरकार ने यह कदम एलओसी के पार वाले व्यापार मार्गों का पाकिस्तान स्थित तत्वों द्वारा गैर कानूनी हथियारों, मादक पदार्थों और जाली नोट आदि भेजने के लिए दुरुपयोग किये जाने की खबरें मिलने के बाद उठाया है।

उल्लेखनीय है कि एलओसी व्यापार जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा के आर-पार की स्थानीय आबादी के बीच आम इस्तेमाल वाली वस्तुओं के आदान-प्रदान को सुगम बनाने के लिए अपेक्षित है। दो व्यापार सुविधा केंद्रों- सलामाबाद, उरी, जिला बारामूला और चक्कन-दा-बाग, जिला पुंछ के माध्यम से एलओसी व्यापार की अनुमति है। यह व्यापार सप्ताह में चार दिन होता है और यह वस्तु विनिमय प्रणाली और जीरो ड्यूटी के आधार पर किया जाता है।

हालांकि, एलओसी व्यापार के बहुत बड़े पैमाने पर दुरुपयोग होने की खबरें मिलीं हैं। ऐसा पता चला है कि इस व्यापार का स्वरूप बदल कर मोटे तौर पर थर्ड पार्टी व्यापार और अन्य क्षेत्रों के उत्पादों के कारोबार में परिवर्तित हो चुका है। इनमें अन्य देशों के उत्पाद भी शामिल हैं, जो इसके जरिये अपना मार्ग तलाश रहे हैं। अनैतिक और राष्ट्रविरोधी तत्व इस मार्ग का इस्तेमाल व्यापार की आड़ में हवाला कारोबार, मादक पदार्थों और हथियारों के लिए कर रहे हैं।

एनआईए द्वारा हाल ही में की गई कुछ मामलों की जांच से पता चला है कि एलओसी व्यापार में शामिल कंपनियों में बहुत बड़ी तादाद ऐसी कंपनियों की है, जिन्हें चलाने वाले लोगों के आतंकवाद/अलगाववाद को भड़काने वाले प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के साथ करीबी संबंध हैं। जांच से कुछ ऐसे लोगों का पता चला है जो सीमा पार कर पाकिस्तान चले गए थे और वे वहां जाकर आतंकवादी संगठनों में शामिल हो गए और उन्होंने पाकिस्तान में व्यापार करने वाली कंपनियां खोल ली हैं। ये व्यापारिक कंपनियां आतंकवादी संगठनों के नियंत्रण में हैं और एलओसी व्यापार में संलग्न हैं।

पुलवामा घटना के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान से एमएफएन का दर्जा वापस ले लिया था। ऐसी खबरें भी मिली हैं कि इसके परिणामस्वरूप ऊंचे शुल्क चुकाने से बचने के लिए एलओसी व्यापार का काफी बड़े पैमाने पर दुरुपयोग होने की आशंका है।

इसलिए भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर में सलामाबाद और चक्कन-दा-बाग से एलओसी व्यापार पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का फैसला किया है। इस बीच कड़ी विनियामक और प्रवर्तन व्यवस्था तैयार की जा रही है और विभिन्न एजेंसियों के साथ परामर्श के बाद उसे लागू कर दिया जाएगा। एलओसी व्यापार दोबारा शुरू करने से संबंधित फैसले पर उसके बाद पुनर्विचार किया जाएगा। ■

'निर्भय' सब-सोनिक क्रूज प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने देश में विकसित लम्बी दूरी तक मार करने वाले सब-सोनिक क्रूज प्रक्षेपास्त्र 'निर्भय' का 15 अप्रैल को चांदीपुर ओडिशा स्थित परीक्षण स्थल से सफल परीक्षण किया। काफी कम ऊंचाई पर वे-प्वाइंट नेवीगेशन का इस्तेमाल करते हुए बूस्ट फेज, क्रूज फेज का परीक्षण और दोबारा परीक्षण करने के उद्देश्य से यह छठा विकास उड़ान परीक्षण है।

प्रक्षेपास्त्र को लम्बवत छोड़ा गया और इसके बाद वह क्षितिज के समांतर दिशा में बढ़ गया, उसका बूस्टर अलग हो गया, पंख असरदार तरीके से काम करने लगे, इंजन चालू हो गया और उसने सभी नियत दिशाओं में भ्रमण किया। प्रक्षेपास्त्र ने काफी कम ऊंचाई पर क्रूज की जहाज रोधी प्रक्षेपास्त्र तकनीक का प्रदर्शन किया।

समूची उड़ान पर इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रेकिंग प्रणालियों, रेडारों और जमीनी टेलीमेट्री प्रणालियों से पूरी नजर रखी गई। इन्हें पूरे समुद्र तट पर तैनात किया गया था। मिशन के सभी उद्देश्य पूरे कर लिए गए। ■

मंत्रिमंडल ने जीएसएलवी के चौथे चरण को जारी रखने की मंजूरी दी

संचार और मौसम संबंधी दो टन वर्ग वाले उपग्रहों को लांच करने में देश अब आत्मनिर्भर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 अप्रैल को जीयोसिंक्रोनस सेटेलाइट लांच व्हेकिल (जीएसएलवी) के चौथे चरण को जारी रखने की मंजूरी दी। चौथे चरण के अंतर्गत 2021-24 की अवधि के दौरान 5 जीएसएलवी उड़ानें शामिल है। जीएसएलवी कार्यक्रम- चरण 4 से जियो-इमेजिंग, नेवीगेशन, डेटा रिले कॉम्यूनिकेशन और स्पेस साइंस के लिए दो टन वर्ग के उपग्रहों को लांच करने की क्षमता मिलेगी।

इसके कार्य हेतु कुल 2729.13 करोड़ रुपये की निधि की आवश्यकता है, जिसमें 5 जीएसएलवी व्हेकिल, आवश्यक सुविधा बढ़ोत्तरी, कार्यक्रम प्रबंधन और लांच अभियान की लागत शामिल है। मौजूदा जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम की संभावनाओं के तहत अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होगी।

जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम- चरण 4 के जरिए महत्वपूर्ण उपग्रह नौवहन सेवाएं प्रदान करने, भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम और अगले मंगल अभियान के संबंध में डेटा रिले कॉम्यूनिकेशन संबंधी उपग्रहों की आवश्यकताएं पूरी करने में मदद मिलेगी। इससे घरेलू स्तर पर उत्पादन जारी रखना भी सुनिश्चित होगा।

जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम- चरण 4 से प्रतिवर्ष दो उपग्रह लांच करने की मांग पूरी होगी, जिसमें भारतीय उद्योग की सर्वाधिक भागीदारी होगी। सारी परिचालन उड़ानें 2021-24 की अवधि के दौरान पूरी हो जाएंगी।

जीएसएलवी के परिचालन से देश संचार और मौसम संबंधी उपग्रहों के मद्देनजर दो टन वर्ग वाले उपग्रहों को लांच करने के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गया है। जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम से राष्ट्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इसी तरह के उपग्रहों को लांच करने में आत्मनिर्भरता मिलेगी और क्षमता बढ़ेगी। इसमें नौवहन उपग्रहों की अगली पीढ़ी, डेटा रिले कॉम्यूनिकेशन उपग्रह और अंतर-ग्रह अभियान शामिल हैं।

पृष्ठभूमि

जीएसएलवी से जीयोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) के सिलसिले में दो टन वर्ग के उपग्रहों को लांच करने के लिए अंतरिक्ष में स्वतंत्र पहुंच प्राप्त हो गई है। जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि अत्यंत जटिल क्रायोजेनिक प्रोपल्शन प्रौद्योगिकी में महारथ हासिल हुई है, जो जीटीओ में संचार उपग्रहों को लांच करने की प्रौद्योगिकी क्षमता के लिए बहुत जरूरी है। इससे उच्च ऊर्जा वाले क्रायोजेनिक इंजन के विकास तथा लांच व्हेकिल की अगली पीढ़ी यानी जीएसएलवी एमके–iii के चरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

19 दिसंबर, 2018 को जीएसएलवी-एफ 11 के हाल में सफल लांच के साथ जीएसएलवी ने कामयाबी से 10 राष्ट्रीय उपग्रहों को कक्षा में भेजा है। स्वदेशी क्रायोजेनिक अपर स्टेज के साथ जीएसएलवी ने संचार, नौवहन और मौसम संबंधी उपग्रहों के संबंध में खुद को एक भरोसेमंद लांच व्हेकिल के रूप में तथा भावी अंतर-ग्रह अभियान शुरू करने के लिए स्थापित कर लिया है।

जीएसएलवी निरंतरता कार्यक्रम को 2003 में मंजूरी दी गई थी और दो चरण पूरे किए जा चुके हैं। तीसरा चरण प्रगति पर है और उम्मीद की जाती है कि 2020-21 की चौथी तिमाही में उसे पूरा कर लिया जाएगा। ■

एकांगी नहीं, समाज का सर्वांगीण विचार आवश्यक

दीनदयाल उपाध्याय

पिछले अंक का शेष...

यदि रास्ते दो हों तो जिस रास्ते प्राणों का भय हो उसको हम पसंद क्यों करेंगे। जो रास्ता जंगली, ऊबड़-खाबड़ और डाकुओं के भय वाला है, उस तरफ़ क्यों जाया जाए? यदि एक विशेष रास्ते से जाने से सुख मिलता है। तो यह विचार करना होगा कि वह कितनी देर तक है। मोटर से जाते समय एक स्थान पर दो रास्ते आ जाते हैं। एक रास्ता 2-4 फ़र्लांग अच्छा है और दूसरा रास्ता अंत तक कंकड़ का है, मनुष्य तो जो प्रत्यक्ष देखता है, उसी का विचार करता है। जैसे खीर खाने में अधिक सुख मिलता है, परंतु बाद में पेट ख़राब होता है। जिसको पूरे रास्ते का पता नहीं, वह तो थोड़ी दूर वाले अच्छे रास्ते पर ही चल पड़ेगा। बच्चा तो मिठाई के लिए रोता है, परंतु माता यह जानती है कि उसका पेट ख़राब है। उसे तात्कालिक सुख तो मिलेगा, परंतु आगे तो दुःख ही है। जो सर्वांगीण विचार करता है, वही सुखी रहता है। इंद्रिय सुख चाहता तो एकांगी विचार है। इंद्रियां तो अलग-अलग विचार करती हैं, शरीर की दृष्टि से कभी नहीं सोचतीं। इसीलिए कई बार गड़बड़ होती है। जीभ अपने सुख का विचार करती है, पेट को क्या होगा, यह नहीं सोचतीं। यदि अच्छे स्थान को देखने के लिए आंखें ललचाती हैं, पैरों की तक़लीफ़ का विचार उसे न होगा। यह ग़लत स्थिति है। विचार नहीं करना चाहिए, जो सारे शरीर को ठीक हो, और शरीर को ही नहीं तो मन के अनुकूल भी होना चाहिए। जैसे भूख लगने पर पक्वान्न देखकर जीभ में पानी आ जाता है, परंतु मन मना करता है कि वह दूसरे का है। कृष्ण भगवान् ने दुर्योधन के यहां भोजन नहीं किया, कहा कि तुमसे मेरी मित्रता नहीं और फिर विदुर के घर जाकर उनकी पत्नी द्वारा दिए गए केले के छिलके प्रेम से खाए। इसको मन का सुख कहते हैं।

मन की तुष्टि न हो तो केवल शरीर के सुख से काम नहीं चलता। शरीर और मन के साथ-साथ बुद्धि का सुख भी तो चाहिए और उसके बाद आत्मा का। परंतु उसको अभी छोड़ते हैं। चारों के सुख का विचार करके चलना चाहिए। मोटर में जाते हैं-शरीर और मन को सुख मिलता है, बुद्धि भी ठीक है, पर उसी समय हमारे सामने दो मोटरों की टक्कर हो जाती है। उसमें एक व्यक्ति मर जाता है और कुछ घायल हो जाते हैं। उनके दुःख से हम भी दुःखी हो जाते हैं। यदि वह दुःख बना रहा तो आत्मा सुखी नहीं होगी। यह सुख जिस रास्ते से प्राप्त होता है, वही ठीक है, अन्य रास्ते अलग।

मन की तुष्टि न हो तो केवल शरीर के सुख से काम नहीं चलता। शरीर और मन के साथ-साथ बुद्धि का सुख भी तो चाहिए और उसके बाद आत्मा का। परंतु उसको अभी छोड़ते हैं। चारों के सुख का विचार करके चलना चाहिए।

कुछ समय के लिए प्रिय लगने वाला और परिणाम में ख़राब होने वाला प्रेय कहलाता है और जो अंत में कल्याणकारी होता है, प्रारंभ में भी हो सकता है, उसको हम श्रेय कहते हैं। हम लोग तो इसी श्रेय मार्ग पर चलने वाले हैं। बुखार में दवा लेना ही श्रेय होता है, प्रेय चाहे न हो। आम का आचार प्रेय हो सकता है, परंतु अंत में तो दुःखदायी होगा। अतः जो स्थायी सुख दे सके, और जिससे प्राणेषणा बनी रह सके, उसी का विचार हमने किया, इसी से सत्य का शोधन हुआ। स्वयं को हमेशा के लिए कैसे बचाकर रखें। कभी मृत्यु प्राप्त न हो। इसके लिए अमरता की खोज चली। खूब आध्यात्मिक चिंतन हुआ। महाभारत में यज्ञ और युधिष्ठिर का प्रश्नोत्तर चलता है

अहन्यहनि भूतानि गच्छन्ति यम् मन्दिरम्।
शेष स्थायित्वभिच्छन्ति कि आश्चर्यतः परम्।

नित्य कोई न कोई यमलोक को जाता ही रहता है। श्मशान में मुरदों के आने का क्रम कभी नहीं टूटता। इसके अतिरिक्त अन्य प्राणी तो एक क्षण में हजारों की संख्या में मरते हैं। आश्चर्य तो इस बात का है, जिनका जीवन क्षणमात्र का है, वे भी मृत्यु से दूर भागकर जीवित रहना चाहते हैं। सब उसी दिशा में जा रहे हैं। परंतु कहते हैं कि हम उधर जाना नहीं चाहते, यह सबसे बड़ा आश्चर्य है। इसी कारण दुनिया चल रही है। विचारों की जितनी भी प्रगति हुई है और आध्यात्मिक चिंतन हुआ है, वह इसी आश्चर्य के कारण हुआ है। हम लोग शरीर से ही जीवित नहीं,

आगे भी जीवित रहना चाहते हैं। यह आत्मा दूसरा जीवन धारण करेगी। इस शरीर के कर्मों से हम आगे जिंदा रहेंगे। वैसे नहीं तो राष्ट्र और समाज के रूप में जीवित रहें। तात्पर्य प्रत्येक स्थिति में हमने अमरता की ही आकांक्षा की है। यह शरीर जितना अधिक टिक सकता है। हम टिकाने का प्रयास करते हैं। आत्महत्या को तो महापाप कहा है। आत्मघाती को नरक प्राप्त होता है। 'जीवेत् शरदः शतम्' की उक्ति के द्वारा हमने सौ वर्ष जीने की आकांक्षा की है। योगी वगैरह आत्मा के द्वारा चिरंतन सत्य का साक्षात्कार करते हैं। भगवान् से एक रूप होकर जीवित रहते हैं। अमरता की आकांक्षा प्राणेषणा की प्राप्ति ही है। 'मृत्योर्मा अमृतं गमय', यह लालच ही हमारे विचारों का आदर्श है।

हमारे यहां भौतिक सुख का ही नहीं, संपूर्ण जीवन का विचार किया गया है। उसके आगे भी जो अंतिम सुख है, उसका विचार भी हमने किया है। इन सबको प्राप्त करने के लिए कुछ पुरुषार्थ करना पड़ता है। जिसको करने से अपना अस्तित्व सिद्ध हो सके, वह पुरुषार्थ है। यदि वह निकल गया तो कुछ प्राप्त नहीं होता। जिससे जीवन का सार्थक्य सिद्ध हो सके और पौरुष अर्थवान बन सके। वह पुरुषार्थ है। जीवन में जो कुछ करणीय है, यह इन पुरुषार्थों के अंतर्गत आ जाता है। ये चार हैं-धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष। प्राप्त करने हेतु की जाने वाली कोई भी क्रिया इनसे बाहर नहीं है। यह है? जितने भी प्रयत्न हो सकते हैं, करणीय या अकरणीय, सब पुरुषार्थों के अंतर्गत आते हैं। कुछ भी करना कर्म नहीं कहलाता। अच्छे काम करने वाला ही कर्मयोगी या कर्तृव्यवान कहलाता है। जो ख़राब काम करेगा, उसे कर्महीन कहेंगे-वैसे कर्महीन तो कोई नहीं है। सांस लेना भी कर्म है, परंतु जो काम करने चाहिए, वे नहीं करता है, तो कर्महीन कहलाता है। इसी प्रकार हमारे पुरुषार्थों में केवल करणीयों का विचार है। तात्पर्य यह सकारात्मक या रचनात्मक रास्ता है। संपूर्ण जीवन का विचार इसमें हुआ है। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा इन्हीं के लिए क्रमशः अर्थ, काम, धर्म और मोक्ष का तंत्र है। कोई बहुत ही सूक्ष्य वर्गीकरण यह नहीं है। अखंडनीय डिब्बों की तरह नहीं है।

महाभारत में विदुर से पांचों पांडवों का प्रश्नोत्तर होता है। अर्जुन ने कहा, अर्थ ही सब कुछ है। उसी से सारा धर्म हो सकता है धनात् धर्मम्'। भीम ने कहा, काम ही बड़ा है, जिसमें इच्छा नहीं, वह क्या कर सकता है? मोक्ष भी प्राप्त करने के लिए इच्छा करनी पड़ती है। मोक्ष के बाद कुछ भी प्राप्तव्य बचता नहीं। जिसके सामने सारे त्रिवर्ण पुरुषार्थ नगण्य हैं। युधिष्ठिर ने कहा कि चारों के लिए प्रयत्न करना चाहिए। बिना त्रिवर्ण के मोक्ष नहीं मिलता है। अर्थ व काम से ही धर्म चलता है। सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। प्राण और अन्न में कौन बड़ा है, यह तो कोई प्रश्न नहीं। 'अन्न वै प्राणः।' भूख हड़ताल करने का परिणाम निकलेगा कि प्राण क्षीण होकर समाप्त हो जाएगा। इसी तरह मुरदे को रोटी खिलाकर देखो। प्राण बिना अन्न की क़ीमत नहीं है।

अर्थ और काम की प्राप्ति के लिए छोटी-से-छोटी चीज का आधार भी धर्म होना चाहिए। कई बार प्रश्न होता है कि अर्थ का धर्म से क्या संबंध? इसके लिए एक उदाहरण है-जब हम एक रुपए का सामान खरीदते हैं और पांच का नोट देते हैं तो वह चार रुपए वापस देता है। इसमें धर्म कहां है? धर्म नहीं होता तो व्यापार ही नहीं होता, वह चार के बदले तीन रुपए भी लौटा सकता था। यहां पर एक सत्य आ गया। जो वचन दुकानदार ने कहा, उस पर वह टिका रहा। यह धर्म है। इसी से अर्थ की प्राप्ति होती है।

किसान बीज बोता है तो उसका धर्म है कि समय पर और अच्छा बीज बोए। शेख चिल्ली की तरह भुने हुए चनों को तो खेत में डालना नहीं। प्रकृति का अपना धर्म होता है। वह उसकी पालना करती है। उसी धर्म के अनुसार अंकुर निकलता है। उगने के बाद उसकी रखवाली भी करनी पड़ती है। कभी-कभी मुक़दमे भी लड़ने पड़ते हैं। तात्पर्य है, जहां धर्म की कमी होती गई। अर्थ प्राप्ति भी उतनी ही कठिन होती गई। अर्थ की विपुलता से धर्म टिकता है, अन्यथा आपद् धर्म भी आता है। विश्वामित्र ने चांडाल के यहां कुत्ते का झूठा मांस चोरी करके खाया था। रेल में चढ़ने का एक धर्म होता है कि बूढ़ों को पहले चढ़ने-उतरने देना चाहिए। परंतु जब स्थान नहीं होता है तो फिर बच्चों, बूढ़ों और स्त्रियों पर पैर रखते हुए भी गाड़ी में चढ़ते हैं। अर्थ का जितना बाहुल्य चाहिए, वह नहीं है। अतः हमने कहा कि सब पुरुषार्थ एक-दूसरे के पूरक हैं। अर्थ का तात्पर्य धन से ही नहीं है तो दंड और राज्य भी उसी में आता है। पुलिस न हो तो धर्म का पालन कोई न करे। राज्य का प्रारंभ इसी आधार पर हुआ। अतः पुरुषार्थों का सामूहिक रूप से विचार करना चाहिए। केवल आत्मा का विचार करने से काम नहीं चलता। शरीर मंदिर है तो देवता का विचार तो चाहिए, पर सफ़ाई भी आवश्यक है। मूर्ति भ्रष्ट हो गई और मंदिर का विचार करते रहे, यह भी किस काम का। अतः इन पुरुषार्थों को 'एकीकृत समग्र' के रूप में मानकर विचार करना चाहिए। आज के लिए इतना ही पर्याप्त है। ■

(पाञ्चजन्य, जून 10, 1960)

अर्थ और काम की प्राप्ति के लिए छोटी-से-छोटी चीज का आधार भी धर्म होना चाहिए। कई बार प्रश्न होता है कि अर्थ का धर्म से क्या संबंध? इसके लिए एक उदाहरण है-जब हम एक रुपए का सामान खरीदते हैं और पांच का नोट देते हैं तो वह चार रुपए वापस देता है। इसमें धर्म कहां है? धर्म नहीं होता तो व्यापार ही नहीं होता, वह चार के बदले तीन रुपए भी लौटा सकता था।

भैरोंसिंह शेखावत

(23 अक्टूबर 1923 – 15 मई 2010)

भैरोंसिंह शेखावत भारत के ग्यारहवें उपराष्ट्रपति और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री थे। वे राजस्थान के राजनीतिक क्षितिज पर काफ़ी लम्बे समय तक छाये रहे। राजस्थान की राजनीति में उनका जबर्दस्त प्रभाव था। भारतीय राजनीति में वह दक्ष और परिपक्व नेता के रूप में जाने जाते थे। उन्हें पुलिस और अफसरशाही व्यवस्था पर कुशल प्रशासन के लिए जाना जाता है। इसके अलावा भैरोंसिंह शेखावत को राजस्थान में औद्योगिक और आर्थिक विकास के पिता के तौर पर भी जाना जाता है। भैरोंसिंह शेखावत 1952 में विधायक बने। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और सफलताएं अर्जित करते हुए विपक्ष के नेता, फिर मुख्यमंत्री और उपराष्ट्रपति बने।

भैरोंसिंह शेखावत का जन्म 23 अक्टूबर 1923 को सीकर (राजस्थान) में हुआ। इनके पिता का नाम देवीसिंह और माता बन्ने कंवर थीं। भैरोंसिंह शेखावत ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा गांव की पाठशाला में ही प्राप्त की। उन्होंने हाईस्कूल की शिक्षा गांव से 30 किलोमीटर दूर स्थित जोबनेर से प्राप्त की। यहां पढ़ने आने के लिए भैरोंसिंह शेखावत को प्रतिदिन पैदल जाना पड़ता था। हाईस्कूल करने के पश्चात् उन्होंने जयपुर के 'महाराजा कॉलेज' में दाखिला ले लिया। उन्हें प्रवेश लिए अधिक समय नहीं हुआ था कि पिता का देहांत हो गया। अब शेखावत जी पर परिवार के आठ प्राणियों के भरण-पोषण का भार आ पड़ा। इस कारण उन्हें हल हाथ में उठाना पड़ा। उन्होंने पुलिस की नौकरी भी की, लेकिन उसमें मन नहीं रमा और त्यागपत्र देकर वापस खेती करने लगे। वर्ष 1941 में भैरोंसिंह शेखावत का विवाह सूरज कंवर से कर दिया गया।

भैरोंसिंह शेखावत जनसंघ के संस्थापक काल से ही जुड़ गये और 'जनता पार्टी' तथा 'भाजपा' की स्थापना में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 1952 में वे दस रुपये उधार लेकर दाता रामगढ़ से चुनाव के लिए खड़े हुए। इस समय उनका चुनाव चिह्न 'दीपक' था। इस चुनाव में उन्हें सफलता मिली और वे विजयी हुए। इस सफलता के बाद उनका राजनीतिक सफर लगातार चलता रहा। वे दस बार विधायक, 1974 से 1977 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। अपने लम्बे राजनीतिक सफर में भैरोंसिंह शेखावत 1977 से 1980, 1990 से 1992 और 1993 से 1998 तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे और 2002 में भारत के उपराष्ट्रपति बने। भैरोंसिंह शेखावत का निधन 15 मई 2010 को हुआ।

भैरोंसिंह शेखावत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री के तौर पर प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने शिक्षा, बालिकाओं का उत्थान व उनका कल्याण, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और शारीरिक विकलांग लोगों की स्थिति में सुधार पर बल दिया। उनका मुख्य उद्देश्य गरीबों तक अधिकारों का लाभ पहुंचाना था।

ग़रीबों की भलाई के लिए उन्होंने कई योजनाएं क्रियांवित कीं, जैसे-'काम के बदले अनाज योजना', 'अंत्योदय योजना', 'भामाशाह योजना', 'प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम' आदि। सच तो यह है कि अपनी योजनाओं के माध्यम से शेखावत जी ने ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलने का जो सपना देखा था, वह आज काफ़ी हद तक साकार हो रहा है। राजनीति के इस माहिर खिलाड़ी ने सरकार में रहते हुए ऐसे न जाने कितने काम किये, जिसका उदाहरण आज भी दिया जाता है। उनके द्वारा शुरू किये गये 'काम के बदले अनाज' योजना की मिसाल दी जाती है।

लोगों की आर्थिक मदद के लिए उन्होंने नई निवेश नीतियां भी शुरू की, जिनमें उद्योगों का विकास, खनन, सड़क और पर्यटन शामिल है। उन्होंने हेरिटेज होटल और ग्रामीण पर्यटन जैसे योजनाओं को लागू करने का सिद्धांत दिया, जिससे राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में वृद्धि हुई। इस प्रकार उनके कार्यकाल के दौरान राजस्थान की अर्थव्यवस्था और वित्तीय स्थिति बेहतर रही। दरअसल, आजीवन राष्ट्रहित में काम करने वाले जननेता शेखावत जी ग़रीबों के सच्चे सहायक थे। उन्होंने कहा कि मैं ग़रीबों और वंचित तबके के लिए काम करता रहूंगा, ताकि वे अपने मौलिक अधिकारों का गरिमापूर्ण तरीक़े से इस्तेमाल कर सकें। ■

नरेन्द्र मोदी के समर्थन में सुनामी प्रतीत होती है

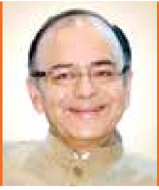

अरुण जेटली

2019 के आम चुनाव के लिए पहले दो दौर का मतदान खत्म हो चुका है। शुरुआती रुझान क्या हैं? शुरुआती सबक क्या हैं?

तीन चुनावी अभियानों की तुलना

भाजपा / एनडीए का अभियान लक्ष्य निर्धारित है। यह एजेंडा सेट करता है। श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर भी स्पष्टता है। उसके पक्ष में एक मजबूत समर्थन की सूनामी प्रतीत होती है। यह अभियान पिछले पांच वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों पर केंद्रित है, विशेष रूप से गरीबों और मध्यम वर्ग को मजबूत करने, स्वच्छ सरकार और राष्ट्रीय सुरक्षा पर विशेष जोर देने से संबंधित है। हमारा गठबंधन सुसंगत है और जिन मुद्दों पर विचार किया जा रहा है, वे केंद्रित हैं।

फर्जी मुद्दों के आधार पर पिछले एक साल में कांग्रेस ने जो वातावरण बनाया था, वह अब धराशायी हो गया है। वे अब अपने घोषणा पत्र में घोषित एक नई योजना पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिसकों जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है। कांग्रेस का पूरा अभियान एक ही परिवार के सदस्यों पर निर्भर करता है, जो जोर नहीं पकड़ रहा हैं। जहां भी मुकाबला मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस के बीच होता है, भाजपा को बढ़त मिलती नजर आ रही है।

पश्चिम बंगाल और ओडिशा में क्षेत्रीय दल एक बड़े उलटफेर के लिए तैयार है। वाम दलों ने 2014 में बुरा प्रदर्शन किया था और अब भी उनकी संसदीय ताकत आगे कमजोर ही होगी। क्षेत्रीय दल केवल उन्हीं क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जहां भाजपा अभी भी कमजोर नजर आती है।

हालांकि, मतदाताओं के एक बड़े हिस्से के लिए एक प्रमुख कारक प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व है, उनको यह विकल्प स्पष्ट नजर आता है। यह विशेष रूप से 35 वर्ष से कम उम्र के मतदाताओं के मामले में सच है। 'मेरा वोट मोदी के लिए है' आज की जमीनी हकीकत है।

एनडीए एक सकारात्मक अभियान चला रहा है। यह एक ऐसे भारत की कल्पना प्रस्तुत करता है जहां गरीबी न हो और एक ऐसा शासन जो अपने लोगों को बेहतर जीवन स्तर देने के लिए प्रतिबद्ध हो। कांग्रेस और क्षेत्रीय दल केवल एक आदमी 'नरेंद्र मोदी' को हटाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। जहां मौजूदा शासन की स्वीकार्यता 70% है, वे एक गैर-विद्यमान एंटी-इनकंबेंसी को हवा दे रहे हैं।

एनडीए एक सकारात्मक अभियान चला रहा है। यह एक ऐसे भारत की कल्पना प्रस्तुत करता है, जहां गरीबी न हो और एक ऐसा शासन जो अपने लोगों को बेहतर जीवन स्तर देने के लिए प्रतिबद्ध हो। कांग्रेस और क्षेत्रीय दल केवल एक आदमी 'नरेंद्र मोदी' को हटाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। जहां मौजूदा शासन की स्वीकार्यता 70% है, वे एक गैर-विद्यमान एंटी-इनकंबेंसी को हवा दे रहे हैं।

जाति और वंशवाद आधारित दलों की स्थिति

कांग्रेस पार्टी के कुछ चमकते चेहरे उसका साथ छोड़ रहे है। क्या इसके पीछे कोई विशेष कारण हैं या उनका मोह वर्तमान नेतृत्व से भंग हो गया हैं? जब मानसिकता सामंती होती है, तो वंशवाद जीवित रहता है। राजवंश भी जीवित तभी तक रहते हैं जब वे करिश्माई होते हैं और काम करने की क्षमता रखता हैं। बहुत से समर्थकों ने राजवंश को स्वीकार कर लिया है, क्योंकि वंशवाद उन्हें प्रत्यक्ष लाभ दे रहा है। जब सामंती मानसिकता बदल जाती है और राष्ट्र अधिक महत्वाकांक्षी हो जाते हैं तो राजवंशों का क्या होता है? भारत का सामाजिक-आर्थिक ढांचा विकास की ओर अग्रसर हो चला है। राजवंशों को स्वीकार करने के लिए हमारी वर्तमान सामाजिक-आर्थिक रूपरेखा उपयुक्त नजर नहीं आती है। यदि कांग्रेस का राजवंश केवल 44 या 60 सांसद देने की क्षमता रखता है, तो पारंपरिक कांग्रेसियों के लिए खुद को राजवंश के अधीन होने का अपमान सहने का क्या लाभ है? अंततः वंशवादी दलों में राजनीतिक दासता को स्वीकार करना ही पड़ता है। ये कांग्रेसी आज भाजपा जैसी पार्टी को देखते हैं, जहां प्रतिभाशाली पुरुषों और महिलाओं को पार्टी, विधानसभाओं और सरकारों में आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त है। भाजपा ने भारत को जो दो प्रधानमंत्री दिए- 'श्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्री नरेंद्र मोदी', अपनी पीढ़ी के सबसे बड़े राजनेताओं के तौर पर स्थापित हुए। यह योग्यता आधारित पार्टियों में हो सकता है, वंशवादी पार्टियों में नहीं। भारत

के इस बदलते सामाजिक-आर्थिक प्रारूप के साथ एक प्रासंगिक सवाल है - "क्या वंश किसी पार्टी के लिए एक संपत्ति हैं या वे एक बोझ हैं?" निस्संदेह, वंशवाद की वर्तमान पीढ़ी कांग्रेस पार्टी के लिए एक परिसंपत्ति के बजाय एक बोझ बन गई है।

ऐसी ही स्थिति जाति आधारित पार्टियों के संबंध में उत्पन्न होती है। इनेलो में दरार आ गई है। 2014 में लोकसभा चुनाव में बसपा को शून्य और विधानसभा चुनाव में 19 सीटें मिलीं। 2014 के चुनावों में सपा अपने परिवार के सदस्यों के लिए ही सीटें बरकरार रखने में कामयाबी रही। राजद दो सीटों पर सिमट गई थी। इस प्रकार भारत की बदलती सामाजिक-आर्थिक प्रोफ़ाइल में अब जाति आधारित पार्टियों के अनिश्चित काल की शुरुआत हो गई है। इनका सूरज धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से डूब रहा है। एक और महत्वपूर्ण प्रवृत्ति जो दिखाई दे रही है वह यह है कि जहां भी राष्ट्रीय दलों की ताकत कम है, वहां मजबूत क्षेत्रीय दलों द्वारा इस कमी को भरा जा रहा है। भाजपा, जो उत्तर भारत की पार्टी थी, उसने मध्य और पश्चिमी भारत तक अपना विस्तार किया और अब पूर्व भारत के राजनीतिक फलक के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। यह विस्तार इस हद तक हुआ है कि हमने बंगाल, ओडिशा, असम और उत्तर-पूर्व के क्षेत्रीय दलों के कब्जे वाले कुछ स्थानों पर अपनी पकड़ कायम कर ली है। भाजपा पहले से ही कर्नाटक में विस्तार कर दक्षिण की अग्रणी खिलाड़ी बन गई है। यह चुनाव केरल में भाजपा की सह-बराबरी का गवाह बनेगा। 18 अप्रैल को प्रधानमंत्री की तिरुवनंतपुरम रैली में अभूतपूर्व समर्थन ने हमारे विरोधियों के माथे पर शिकन ला दी है। भाजपा के पास क्षेत्रीय दलों से अधिक राजनीतिक स्थान पर लड़ने और कब्जा करने की क्षमता पहले से ही दिखाई देती है। कांग्रेस में स्वाभाविक रूप से उस वृत्ति का अभाव है।

भाजपा, जो उत्तर भारत की पार्टी थी, उसने मध्य और पश्चिमी भारत तक अपना विस्तार किया और अब पूर्व भारत के राजनीतिक फलक के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। यह विस्तार इस हद तक हुआ है कि हमने बंगाल, ओडिशा, असम और उत्तर-पूर्व के क्षेत्रीय दलों के कब्जे वाले कुछ स्थानों पर अपनी पकड़ कायम कर ली है। भाजपा पहले से ही कर्नाटक में विस्तार कर दक्षिण की अग्रणी खिलाड़ी बन गई है। यह चुनाव केरल में भाजपा की सह-बराबरी का गवाह बनेगा।

2019 की दिशा

2019 के आम चुनाव की दिशा स्पष्ट है। इन चुनावों के मध्य में भाजपा ही काबिज है। एजेंडा निर्धारित करने और नेतृत्व दोनों के संदर्भ में कांग्रेस कोई भी प्रभाव डालने में विफल रही है। क्षेत्रीय पार्टियां चुनौती प्रस्तुत कर रही हैं, लेकिन उनका एजेंडा ज्यादातर राज्य आधारित है। उनके नेताओं में राष्ट्रीय सोच की कमी है। देश को सुसंगत, स्थिर और लंबे समय तक चलने वाले गठबंधन के लिए उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। क्या राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रभावी प्रबंधन के लिए संघीय मोर्चे पर भरोसा किया जा सकता है?

इन चुनावों की गति स्पष्ट रूप से भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ है। प्रधानमंत्री चुनाव के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व के संदर्भ में, यह लगभग एकतरफा लड़ाई है। प्रधानमंत्री मोदी की क्षमता और स्वीकार्यता के स्तर का मुकाबला कोई दूसरा व्यक्ति करता दिखाई नहीं देता है।

क्या इतिहास पूरी तरह से कुछ अभूतपूर्व देखने जा रहा है? क्या हम जाति आधारित और वंशवादी पार्टियों की अस्वीकृति के गवाह बनने जा रहे हैं? और क्या महत्वाकांक्षी भारत एक योग्यता आधारित नेतृत्व का चुनाव करने के लिए कोई निर्णायक फैसला लेगा? यह सच्चाई हो सकती है। ■

(लेखक केंद्रीय मंत्री हैं)

प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से बात की

आतंकी हमलों में जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ 21 अप्रैल को टेलीफोन पर बातचीत की और श्रीलंका में हुए आतंकी हमले में 150 से अधिक निर्दोष लोगों के मारे जाने पर अपनी ओर से और सभी भारतीयों की ओर से हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धार्मिक स्थलों सहित और एक धार्मिक उत्सव के दौरान सिलसिलेवार तरीके से किये गये इन आतंकी हमलों की बेहद कड़े शब्दों में निंदा की। उन्हें निर्मम और पूर्व नियोजित बर्बर कृत्य करार देते हुए उन्होंने कहा कि ये हमले हमारे क्षेत्र और पूरी दुनिया में आतंकवाद द्वारा पूरी मानवता के लिए की गई सबसे गंभीर चुनौती की मनहूस याद दिलाते हैं।

प्रधानमंत्री ने श्रीलंका को आतंकवाद जैसी हर चुनौती के खिलाफ अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव सहायता और मदद का प्रस्ताव फिर से दोहराया। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की और उनके उपचार के लिए सभी अभीष्ट सहायता की पेशकश की। ■

महागठबंधन : एक ढकोसला

गोपाल कृष्ण अग्रवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नफरत के कारण एकजुटता दिखा रहे और अपने राजनैतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे विभिन्न विपक्षी दल, बिना किसी साझा नीति या विचारधारा के, खुद को 'महागठबंधन' का नाम देकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के खिलाफ एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस अपने को इस महागठबंधन का केंद्र बताने की कोशिश कर रहा है, लेकिन दूसरे राजनैतिक दल उसके नेतृत्व को कतई स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। राज्य स्तर पर महत्व रखने वाली कई राजनीतिक पार्टियां भी महागठबंधन में शामिल नहीं हुई हैं। इससे साफ है कि एनडीए के खिलाफ संयुक्त विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा करना सम्भव नहीं हो पा रहा है ।

अगर हम देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से शुरू करें; तो वहां पर समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने के लिए गठबंधन किया है लेकिन इसमें कांग्रेस शामिल नहीं है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं हो पाया है और कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के बीच वाकयुद्ध शुरु हो गया है। दिल्ली में ऐसा माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार नहीं करेगी, इसलिए उनके बीच भी किसी प्रकार के गठबंधन की संभावना कम ही है। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के खिलाफ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाली लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट खड़ा है और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के वायनाड से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद से लेफ्ट और कांग्रेस के बीच लड़ाई और भी तेज़ हो गई है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी कमोवेश यही हाल है। कांग्रेस असम में बदरुद्दीन अज़मल के संगठन के साथ भी गठबंधन करने में विफल रही है। इन सभी राज्यों में त्रिकोणीय या बहुकोणीय मुकाबला होगा, जिसने महागठबंधन को अप्रासंगिक बना दिया है। इन 8 राज्यों में लोकसभा की कुल 226 सीटें हैं।

हालांकि, कांग्रेस खुद को एक राष्ट्रीय पार्टी कहती है, लेकिन बिहार में महागठबंधन की प्रमुख सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) है और कांग्रेस को 40 में से सिर्फ नौ सीटें दी गई हैं, जबकि बाकी सीटें उपेंद्र कुशवाहा, जीतन राम मांझी और मुकेश साहनी जैसे नेताओं के छोटे दलों को दे दी गईं। तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस को केवल नौ सीटें मिली हैं, जबकि पुडुचेरी एकमात्र सीट उसे लड़ने के लिए दी गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर की तीन लोकसभा सीटों के लिए गठबंधन किया है और तीन अन्य सीटों पर दोस्ताना चुनाव लड़ने की बात की हैं। कर्नाटक में जनता दल (सेक्युलर) ने 8 सीटें पाने के लिए काफी मोलभाव किया है और कांग्रेस वहां पर 20 सीटों पर अपना भाग्य आजमाएगी, जबकि राज्य में पहले से ही जेडी(एस) का मुख्यमंत्री है।

झारखंड में कुल 14 लोकसभा सीटें हैं। कांग्रेस को सात सीटें, झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को चार, झारखंड विकास मोर्चा (जेवीएम) को दो और लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली आरजेडी को एक सीट दी गई थी। लेकिन यहां भी महागठबंधन में दरारें आ चुकी हैं। आरजेडी ने सीटों के इस बंटवारे पर आपत्ति जताई और चतरा से अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया, जबकि यह सीट कांग्रेस के हिस्से में आई थी। झारखंड में सीट बंटवारे के समझौते के अगले दिन ही आरजेडी की प्रदेश अध्यक्ष अन्नपूर्णा देवी भाजपा में शामिल हो गईं जो गठबंधन के लिए एक बड़ा झटका है। महाराष्ट्र में कांग्रेस 26 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अपने लिए 22 सीटें हासिल करने में कामयाब रही है। एनसीपी के साथ सीटों के बंटबारे को लेकर कांग्रेस में आंतरिक कलह चल रही है और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अशोक चव्हाण भी इससे नाराज़ हैं।

एक ओर जहां इस तथाकथित महागठबंधन को लेकर पूरी तरह से अनिश्चितताएं हैं, वहीं एनडीए में पहले से ही 39 राजनीतिक दलों गंठबधन है। एनडीए की एकता तभी नज़र आ गई थी जब उन्होंने बिहार की लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा को साथ में किया था। गुजरात की गांधीनगर सीट से भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के नामांकन के समय भी एनडीए ने अपनी पूरी ताकत का प्रदर्शन किया गया था। भाजपा पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ और महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। ये दोनों ही भाजपा के दशकों पुराने सहयोगी हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता का विश्लेषण यह बताता है कि चुनाव पूर्व परिदृश्य में महागठबंधन विखंडित है और नेतृत्वहीन नजर आ रहा है। एनडीए की तुलना में अखिल भारतीय स्तर पर महागठबंधन की मौजूदगी भी वैसी नहीं है। एनडीए के सभी सहयोगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे है। महागठबंधन में शामिल दल कई राज्यों में अलग-अलग चुनाव लड़ सकते हैं। यह सीटों के बंटवारे को लेकर किसी भी तरह का समझौता न कर पाने में विफलता के अलावा और कुछ नहीं है।

महागठबंधन का यह शोर-शराबा केवल एक ढोंग है और मोदीजी के विरोध का ये हौआ इस लोकसभा चुनाव के आगे बढ़ने वाला नहीं है। ■

(लेखक भाजपा के आर्थिक मामलों के प्रवक्ता हैं)

देश के व्यापारियों की ताकत ही थी कि भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में राष्ट्रीय व्यापारी धन्यवाद महासम्मेलन में 19 अप्रैल को कहा कि व्यापारियों ने हमेशा देश के बारे में सोचा है। देश की जरूरत के साथ खुद को जोड़ा है। भामाशाह के संबल ने महाराणा प्रताप की ताकत को दोगुना कर दिया था। ये हमारे देश के व्यापारियों की ही ताकत थी कि हमारा देश सोने की चिड़िया कहा जाता था।

उन्होंने कहा कि भारत के व्यापारियों ने कंबोडिया से लेकर ईरान तक दुनिया के कोने-कोने तक देश की संस्कृति का विस्तार किया था। मैं आपकी जिस बात से प्रभावित हूं वो है आपकी मेहनत। 12-12 घंटे तक आप दुकान में अपने आपको कैद करके व्यापार ही नहीं करते, बल्कि सच्चे अर्थों में जनता की सेवा करते हैं। हमारे व्यापारी वर्ग की साधना और तपस्या सदियों से हमारे देश को बहुत कुछ देती आई है।

श्री मोदी ने कहा कि आपका आभार व्यक्त करना चाहता हूं। आपने हर कदम पर मेरा समर्थन किया, देश को आगे बढ़ाने में मेरा समर्थन किया। पिछले 5 साल में मैंने भी आपके कामकाज और जीवन को सुगम करने की कोशिश की है। इसलिए आप सभी टेंशन फ्री होकर बिना किसी डर के काम करें। देश की अर्थव्यवस्था में ईमानदारी, पारदर्शिता बढ़ेगी तो यह देश के विकास में मददगार साबित होगी।

उन्होंने कहा कि पहले देश में कारोबारियों को 'जंगल का कानून' और 'कानूनों के जंगल' से जूझना पड़ता था। हमने 5 साल में 1500 कानून खत्म किए। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में दुनिया में भारत का नाम रोशन हुआ है। ईज ऑफ लिविंग मेरा मकसद है। आपने देखा होगा कि उस दिशा में हम कैसे आगे बढ़ रहे हैं। दुनिया भर के फॉर्म हमने खत्म कर दिए। सरलता ला रहे हैं। पहले इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए दर्जनों फॉर्म भरने पड़ते थे। हमने इसकी संख्या काफी कम कर दी।

विभिन्न क्षेत्रों में केंद्र सरकार की उपलब्धियों के साथ ही जीएसटी की सफलता की चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आपके सहयोग से ही 'वन नेशन वन टैक्स' का सपना साकार हुआ है। अलग-अलग राज्यों में टैक्स नहीं देना पड़ता है। सड़कों पर ट्रकों की कतारें कम हो गई हैं। यह निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि जीएसटी के बाद व्यापार में पारदर्शिता आई है। इसलिए ही रजिस्टर्ड व्यापारियों की संख्या दोगुनी हो गई है। इससे राज्यों का राजस्व डेढ़ गुना बढ़ गया है। इस देश का व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। हम उन्हें जितना सहयोग दे सकें, कम है। आज 98 प्रतिशत चीजें 18 प्रतिशत से कम के स्लैब में हैं।

केंद्र सरकार के आर्थिक सुधारों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 23 मई के बाद एक बार फिर भाजपा की सरकार बनने पर राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड बनाया जाएगा। यह व्यापारियों और सरकार के बीच व्यवस्थित संवाद का मैकनिज्म तैयार करेगा। ■

हमारे लिए देश की सुरक्षा सर्वोपरि है: अमित शाह

राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 12 अप्रैल को कहा कि दंतेवाड़ा में नक्सली हमले में भाजपा विधायक भीमा मंडावी की मृत्यु सामान्य घटना नहीं है, इसमें राजनीतिक षड्यंत्र की बू आ रही है। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव में चुनावी सभा को संबोधित करने के दौरान श्री अमित शाह ने इसी महीने की 9 तारीख को दंतेवाड़ा जिले में नक्सली हमले में मारे गए भाजपा विधायक भीमा मंडावी को श्रद्धांजलि दी।

श्री अमित शाह ने कहा, 'इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। मंडावी की पत्नी ने भी इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की है।' भाजपा अध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कहा कि यदि इस मामले में कुछ छुपाना नहीं है, तब मंडावी पर हमले की जांच सीबीआई से करवानी चाहिए। इस मामले की निष्पक्ष जांच हो। बता दें कि दंतेवाड़ा जिले के श्यामगिरी गांव के करीब बीते मंगलवार को नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर भाजपा विधायक मंडावी के वाहन को उड़ा दिया था। इस घटना में मंडावी और तीन पुलिसकर्मियों की मृत्यु हो गई।

इस दौरान श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए कहा, 'जिनको कुछ छुपाना नहीं होता है, वह सीबीआई से नहीं डरता है। भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे पहले सीबीआई को राज्य में जांच करने से रोका है, जबकि यहां 15 वर्ष तक रमन सिंह की सरकार ने कभी ऐसा नहीं किया था।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वह लगातार देश का दौरा कर रहे हैं और देश की जनता 'मोदी-मोदी' के नारे लगा रही है। देश की जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए तय कर लिया है।

इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार की उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन और सौभाग्य बिजली योजना जैसे अनेक योजनाओं को जनता के सामने रखा। श्री अमित शाह ने कहा, 'देश में विकास के नारों से विकास नहीं होता है। जब गरीबों के लिए दिल में दर्द होता है, तब विकास होता है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की सरकार ने वनवासियों को चरण पादुका दी। गरीबों को सस्ता अनाज दिया और उनके लिए कई अन्य काम किए।'

कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार पर हमला बोलते हुए श्री शाह ने कहा, '10 साल में केंद्र में सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह की सरकार रही। उस दौरान देश में आंतकी घटनाएं हो जाती थीं, आंतकवादी जवानों का सिर काट लेते थे, तब कोई जवाब नहीं दिया जाता था, लेकिन अब जब देश में पुलवामा में जवानों पर हमला हुआ, तब वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के अड्डों को तबाह कर दिया। इस घटना में देश में खुशियां छा गईं, लेकिन पाकिस्तान और कांग्रेस पार्टी के दफ्तर में मातम छा गया। वहीं, राहुल गांधी के गुरू सैम पित्रोदा कहते है कि उनसे बात करनी चाहिए लेकिन आतंकवादियों की गोली का जवाब गोला से दिया जाएगा। ईट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। हमारे लिए देश की सुरक्षा सर्वोपरि है।'

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर में भी प्रधानमंत्री होने की बात कही है। यह कश्मीर को देश से अलग करना

चाह रहे हैं और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी चुप हैं। राहुल गांधी जवाब दें कि वह उमर अब्दुल्ला के इस बयान से सहमत हैं या नहीं। जब तक देश में भारतीय जनता पार्टी का एक भी कार्यकर्ता जीवित है, कश्मीर को भारत से अलग नहीं होने दिया जाएगा।'

श्री शाह ने राज्य की कांग्रेस की सरकार पर भी निशाना साधा और कहा, 'राज्य में आयुष्मान भारत योजना बंद कर गरीबों को परेशान किया जा रहा है। यहां तबादला उद्योग शुरू हो गया है। वहीं भूपेश बघेल सरकार ने टैक्स लगाकर सीमेंट का दाम बढ़ा दिया गया है। बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही गई थी, वह अभी तक नहीं मिला है। राज्य सरकार ने नक्सलियों के साथ मिलकर आगे राजनीति करने का फैसला किया है। यही कारण है कि जब से राज्य में नई सरकार आई है, नक्सलवाद फिर से सिर उठाने लगा है।'

जूनागढ़ (गुजरात)

'पाकिस्तान से चलने वाली हर गोली का जवाब हम बम से देंगे'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने राफेल लड़ाकू विमान सौदे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर 15 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलती है और उसे दोहराती है। उन्होंने कहा कि गांधी को राफेल सौदे पर अपने बयान के लिए शीर्ष अदालत से नोटिस मिला है। उन्होंने जूनागढ़ लोकसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार के लिए गिर सोमनाथ के कोदिनार में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने प्रारंभिक तकनीकी आपत्ति पर (राफेल) मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश पारित किया और राहुल बाबा कहने लगे कि शीर्ष अदालत ने राफेल मुद्दे पर सरकार को फटकार लगाई थी। हकीकत में ऐसा कुछ नहीं हुआ था।'

श्री शाह ने कहा, 'अदालत ने केवल एक प्रारंभिक आपत्ति हटाने का काम किया था। मामला अभी भी चल रहा है और पहले भी सुना गया है, लेकिन उन्होंने (गांधी) बार-बार बोलना शुरू कर दिया। भाजपा के एक सांसद ने अवमानना नोटिस दिया और आज सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है और राहुल गांधी को यह बताने के लिए कहा है कि उन्होंने क्या कहा था।'

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया, 'झूठ बोलना और उसे जोर से बोलना तथा उसे बार-बार कहना कांग्रेस पार्टी का स्वभाव बन गया है।' उन्होंने रामपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार जयाप्रदा के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने के लिए समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान पर भी निशाना साधा। श्री शाह ने कहा कि खान, सपा और उत्तर प्रदेश में उसकी सहयोगी बसपा को इस घिनौने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के खिलाफ मुहिम चलाने के लिए विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि, 'कांग्रेस हार से डर गई है। पहले वे हार का कारण ईवीएम पर डालते थे। अब पहले चरण का चुनाव हो चुका है। उनका कहना है कि भाजपा ईवीएम के कारण जीतेगी जिससे पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी ने हार स्वीकार कर ली है।' श्री शाह ने कहा कि बालाकोट हवाई हमले के बाद कांग्रेस और पाकिस्तान शोक मना रहे थे।

उन्होंने कहा, 'देश भर में युवा जब पटाखें जला रहे थे, मिठाइयां बांट रहे थे, शहीदों को श्रद्धांजलि दे रहे थे, दो जगहों पर शोक मनाया जा रहा था। एक पाकिस्तान में, जो रो रहा था और छाती पीट रहा था।' उन्होंने कहा, और दूसरा कांग्रेस कार्यालय में शोक का माहौल था।' बॉलीवुड की पुरानी फिल्म 'सौदागर' के गीत का हवाला देते हुए श्री शाह ने कहा, 'राहुल बाबा आतंकवादियों के साथ ईलू-ईलू करते हैं, लेकिन यह भाजपा और नरेन्द्र मोदी की सरकार है। हमारी

नीति स्पष्ट है। पाकिस्तान से चलने वाली हर गोली का जवाब हम बम से देंगे।'

वहीं दीसा में दूसरी रैली को संबोधित करते हुए श्री शाह ने महागठबंधन पर प्रहार किया। उन्होंने सवाल किया, 'ऐसे चलेगी महागठबंधन की सरकार। (बीएसपी प्रमुख) मायावती सोमवार को प्रधानमंत्री बनेंगी। अखिलेश (सपा प्रमुख) मंगलवार को, शरद पवार (एनसीपी प्रमुख) बुधवार को, चन्द्रबाबू नायडू (टीडीपी प्रमुख) गुरुवार को, देवगौड़ा (जद(एस) नेता) शुक्रवार को, ममता बनर्जी (टीएमसी प्रमुख) शनिवार को और रविवार को छुट्टी होगी। क्या यह देश ऐसे चल सकता है!'

पश्चिमी महाराष्ट्र

'कोई भी हमसे कश्मीर नहीं ले सकता'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 17 अप्रैल को यहां कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और जब तक भाजपा है, तब तक कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा बना रहेगा। श्री शाह ने यह टिप्पणी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता श्री उमर अब्दुल्ला के हालिया सुझाव पर एक चुनावी रैली में की। अब्दुल्ला ने कश्मीर में अलग प्रधानमंत्री होने का सुझाव दिया था।

श्री शाह ने पश्चिमी महाराष्ट्र में एक रैली में कहा, "कोई भी हमसे कश्मीर नहीं ले सकता। जब तक भाजपा रहेगी, कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना रहेगा।" उन्होंने कहा, "हम भारत में कभी भी दो प्रधानमंत्री नहीं बनने देंगे।" साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस कश्मीर को भारत से अलग करना चाहती है।

श्री अब्दुल्ला की टिप्पणी पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कई चुनावी रैलियों में कांग्रेस से अपने सहयोगी की टिप्पणी को स्पष्ट करने की मांग की थी। गौरतलब है कि हाल ही में नेशनल कांफ्रेंस के नेता श्री उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता को बहाल करने का प्रयास करेगी जिसके तहत जम्मू-कश्मीर के लिये अलग 'वज़ीर-ए-आज़म' (प्रधानमंत्री) हो सकता है। इस बयान के लिए अब्दुल्ला की जमकर आलोचना भी हुई।

श्री शाह ने कहा, "भारत शिवाजी महाराज की भूमि है और इसकी सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है।" पाकिस्तान से पनपने वाले सीमा पार के आतंकवाद की ओर इशारा करते हुए श्री शाह ने कहा, "अगर वहां से एक गोली चलाई जाएगी तो भारत यहां से गोला फेंकेगा।" उन्होंने कहा कि भारत में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को खोज-खोज कर मारा जाएगा। श्री शाह ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को सुरक्षित रखने के लिए काम किया है। बालाकोट हवाई हमले के जरिए हमने अपने सैनिकों की शहादत का बदला लिया।"

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, "अब देश के सभी कोनों से 'फिर एक बार मोदी सरकार का नारा सुना जा सकता है।" श्री शाह ने 2014 से पहले तक लगातार 15 सालों तक महाराष्ट्र में सत्ता में रही कांग्रेस-राकांपा की गठबंधन सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने महाराष्ट्र को विकास की पटरी से उतार दिया था जबकि भाजपा राज्य को फिर से विकास के पथ पर लेकर आई।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पांच पीढ़ियों ने देश पर शासन किया, लेकिन भारत के लिए कुछ नहीं किया। श्री शाह ने सवाल किया, "राहुल गांधी (कांग्रेस अध्यक्ष) और शरद पवार (राकांपा प्रमुख) ने भारत में गरीबों के लिए क्या किया है?"

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

'मोदी सरकार ने लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 18 अप्रैल को बिलासपुर जिले के तखतपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस

चुनाव में दो धड़े स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। एक तरफ एनडीए के साथी हैं जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में है, तो दूसरी ओर 'महामिलावट' गठबंधन खड़ा है, जो राहुल बाबा एंड कंपनी का है। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे पूछता हूं कि यदि गलती से आपका गठबंधन आ गया तो आप का प्रधानमंत्री कौन बनेगा? उनके पास इसका जवाब नहीं है।'

श्री अमित शाह ने कहा कि पूछा जाता है कि मोदी सरकार ने इस पांच वर्ष के शासन में क्या किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश के भीतर 50 करोड़ लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश को सुरक्षित रखने का काम किया है। इससे पहले 10 साल तक सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह की यूपीए की सरकार थी।

इस दौरान पाकिस्तान से आए आतंकवादी जब चाहे तब देश में घुस जाते थे और जवानों का सिर काट लेते थे और उन्हें अपमानित करते थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में आतंकवादियों ने जब पुलवामा पर हमला किया और 40 जवान शहीद हो गए, तब सबके मन में गुस्सा था। देश की सेना पहले सर्जिकल स्ट्राइक कर चुकी थी। पाकिस्तान की सेना ने जमीन पर टैंक लगा दिया तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायु सेना को आदेश दिया और वायु सेना ने पाकिस्तान के घर में घुसकर बालाकोट में आतंकवादियों के अड्डे को तहस-नहस कर दिया। घटना होने के बाद दो जगह पर मातम छा गया एक पाकिस्तान में और दूसरा राहुल बाबा एंड कंपनी के कार्यालय में।

श्री अमित शाह ने कहा, 'पाकिस्तान को तकलीफ हुई वह स्वाभाविक था, लेकिन आपको क्यों तकलीफ हुई, क्या वह आप के चचेरे भाई लगते थे। वहीं सैम पित्रोदा ने कहा था उनसे बातचीत करनी चाहिए। जो 40 जवानों को शहीद करे उससे बातचीत करना चाहिए कि बम गिराना चाहिए? भारतीय जनता पार्टी की सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगी। श्री शाह ने कहा कि यहां नरेंद्र मोदी की सरकार है। इस सरकार में ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। पाकिस्तान को कोई जवाब दे सकता है तो केवल और केवल एक व्यक्ति दे सकता है, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही दे सकते हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हम एनआरसी लेकर आए तो कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया कि वह कहां जाएंगे, क्या खाएंगे। आपको उनकी चिंता है, हमारे देश के जवान मारे जाते हैं उनकी चिंता नहीं है। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि आप श्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनाओ हम कश्मीर से कन्याकुमारी तक और असम से गुजरात तक घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकालेंगे। श्री अमित शाह ने इस दौरान दंतेवाड़ा की नक्सली घटना में मृत विधायक भीमा मंडावी और चार अन्य पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी तथा राज्य की कांग्रेस की सरकार पर जमकर हमला बोला।

वलसाड और छोटा उदेपुर (गुजरात)

'कांग्रेस ने गरीबों के लिए क्या किया?'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 19 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को भाजपा के युवा मोर्चे के अध्यक्ष के साथ पांच दशकों के कांग्रेस के शासनकाल में गरीबों के लिए किए गए कार्यों पर बहस करने की चुनौती दी।

श्री शाह ने एक रैली को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और कांग्रेस पर भाजपा शासित गुजरात के विकास में बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। श्री शाह ने कहा, 'राहुल बाबा गरीबों का राग अलापते हैं। कांग्रेस एक बार फिर 'गरीबी हटाओ' का नारा दे रही है। पांच पुश्तों और 55 वर्ष तक केवल आपके परिवार ने ही देश पर शासन किया।' उन्होंने कहा कि वडोदरा के किसी चौराहे पर आइए और बताइए कि आपने गरीबों के लिए क्या किया। हमारे युवा मोर्चे के अध्यक्ष आपको जवाब देंगे।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने गुजरात के विकास में अड़चनें पैदा कीं और 2002 के सांप्रदायिक दंगों के बाद राज्य को बदनाम किया।

भाजपा अध्यक्ष अमित श्री शाह ने कहा, मौजूदा चुनाव में विकास से भी बढ़कर राष्ट्रीय सुरक्षा मुख्य चुनावी मुद्दा है। उन्होंने गुजरात के वलसाड के मालनपाडा और छोटा उदेपुर के बोडेली में चुनावी सभा में यह बात कही।

महाराष्ट्र

'देश सुरक्षित हाथों में है'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 18 अप्रैल को कहा कि पिछले पांच वर्षों में देश को सुरक्षित रखने का काम मोदी सरकार ने किया है। आतंकवादियों और पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए देश में सुरक्षा का माहौल भी बनाया है। पिछले 55 वर्षों में कांग्रेस की पांच पीढ़ियों द्वारा जो नहीं किया गया, वह कार्य मोदी सरकार ने 55

माह में कर दिखाया। अबकी बार एक बार फिर मोदी सरकार बनेगी तथा हम एनआरसी को लागू कर देश के हर कोने में छिपे बैठे घुसपैठियों को निकाल बाहर करेंगे। इसलिए जालना की जनता अपने लोकप्रिय सांसद भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रावसाहब दानवे को भारी मतों से जिताए, ताकि इस बार भाजपा उन्हें केंद्र में बड़ा पद दे सके।

श्री शाह भाजपा-शिवसेना-रिपाइं-रयत क्रांति संगठन महागठबंधन के उम्मीदवार सांसद रावसाहब दानवे के प्रचार के लिए आमसभा को संबोधित कर रहे थे।

श्री अमित शाह ने मंच से ललकारते हुए आतंकवादी और पाकिस्तानियों को चेताया कि देश सुरक्षित हाथों में है तथा आने वाला समय भी मोदी सरकार का ही होगा। जिस तरह आतंकवादियों और पाकिस्तानियों को उनकी जगह दिखा दी गई है, उसी तरह एनआरसी को लागू कर देश के कोने-कोने में फैले घुसपैठियों को निकाल बाहर किया जाएगा। 10 वर्ष सत्ता में रहने के बावजूद सोनिया-मनमोहन सरकार ने आतंकवाद के विरोध में कोई कदम नहीं उठाया, लेकिन मोदी सरकार इस कार्य को करने में पूरी तरह सक्षम रही।

उन्होंने कहा कि जब पुलवामा में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमला कर 40 जवानों को शहीद कर दिया था, उस समय पाकिस्तान ने सभी सीमाएं सील कर दी थीं। देश भर में आक्रोश था, लेकिन मोदी सरकार डरने वालों में से नहीं, 13 वें दिन ही एयर स्ट्राइक कर बालाकोट में बम धमाके किए गए तथा आतंकवादियों को नेस्तनाबूद कर दिया गया। ऐसे में केवल पूरा देश खुशी मना रहा था। केवल दो जगह मातम का माहौल था। एक तरफ पाकिस्तान में लोग छातियां पीट रहे थे तथा दूसरी तरफ देश में राहुल बाबा एंड कंपनी के कार्यालय में दुःख फैला था। इन लोगों का कहना था कि आतंकवादियों को मारने के बजाए चर्चा की जाए। हमने दुनिया को दिखा दिया कि यदि सीमा के उस पार से गोली आएगी तो यहां से गोले दागे जाएंगे। कांग्रेस भले ही पाकिस्तान से कितना भी ईलू-ईलू कर ले, भाजपा आतंकवाद और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

उन्होंने कहा कि हम पिछले 10 दिनों से राहुल बाबा और शरद पवार से पूछ रहे हैं कि क्या उन्हें देश में दो प्रधानमंत्री मंजूर हैं? लेकिन वे केवल इसलिए कतरा रहे हैं कि उन्हें अपने वोट बैंक की फिक्र है। श्री अमित शाह ने कहा कि अबकी बार फिर मोदी सरकार बनेगी, लेकिन मैं यह बता दूं कि भाजपा भले सत्ता में रहे या ना रहे, कश्मीर को भारत से अलग नहीं होने दिया जाएगा। कश्मीर हिंदुस्तान का अभिन्न अंग है और रहेगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि जब वे हेलीकॉप्टर से जालना आ रहे थे, तब उन्होंने खेतों में जलयुक्त शिवार योजना के तहत किए गए कामों को देखा तथा इन शिवारों में जमा पानी को भी देखा। यह सब केवल 6 हजार करोड़ रुपए खर्च कर संभव हुआ है। शरद राव अब यह बताएं कि सिंचाई के लिए 72 हजार करोड़ रुपए कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस सरकार ने खर्च किए थे, वे पैसे कहां गए। ■

‘कांग्रेस अध्यक्ष ने संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादाओं को तार-तार कर दिया’

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद ने 15 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला और कहा कि उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादाओं को तार-तार कर दिया। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि राहुल गांधी ने झूठ क्यों बोला और सुप्रीम कोर्ट को आधार क्यों बनाया?

राहुल गांधी और उनकी पार्टी पूरी तरह हताश है क्योंकि उन्हें हार दिखाई दे रही है। दरअसल यही कारण है कि वह इस तरह की झूठी बयानबाजी करते दिखाई दे रहे हैं। उनके लिए अपने काडर को संभालना मुश्किल हो रहा है और इसलिए वह झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं।

श्री प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने अपना नामांकन दाखिल करने के तुरंत बाद कहा था कि “सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चौकीदार ने चोरी करवाई है।“ उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कब कहा कि इसमें घपला हुआ है? श्री प्रसाद ने राहुल गांधी की निंदा करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहीं भी राफेल की खरीदारी प्रक्रिया पर कोई टिप्पणी नहीं है तो किस आधार पर राहुल ने ये गंभीर आरोप लगाए? भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष विरासत के तहत बने हुये हैं जबकि उनकी क्षमता के बारे में सभी जानते हैं।

श्री प्रसाद ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के बारे में ऐसा पहली बार नहीं कहा है और यह पहला मौका भी नहीं है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के अलावा चुनाव आयोग की मर्यादा और केन्द्रीय सतर्कता आयोग पर सवाल उठा चुके हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादाओं को तार-तार करना उनकी आदत है। श्री प्रसाद ने यह भी कहा कि यहां यह बात उठाना जरूरी है कि राहुल गांधी और उनकी बहन तथा उनके मित्र इन दिनों अपने प्रचार में यह बोलते फिर रहे हैं कि मोदी जी के राज में संविधान समाप्त हो रहा हैं। उन्होंने पूछा कि संविधान की खिल्ली कौन उड़ा रहा है। देश में बोलने का अधिकार सभी को है लेकिन सरासर झूठ बोलने का नहीं।

श्री प्रसाद ने कहा कि इस समय देश में आदर्श चुनाव संहिता लागू है और राहुल गांधी का बयान उसके दायरे में आता है। उन्होंने जो बयान दिया है वह मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का सरासर उल्लंघन है और राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग तुरंत संज्ञान ले क्योंकि उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर भी आरोप लगाए हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी पूरी तरह हताश है क्योंकि उन्हें हार दिखाई दे रही है। दरअसल यही कारण है कि वह इस तरह की झूठी बयानबाजी करते दिखाई दे रहे हैं। उनके लिए अपने काडर को संभालना मुश्किल हो रहा है और इसलिए वह झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि अगर कोई राहुल गांधी में कोई भी शर्म बाकी है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। ■

प्रधानमंत्री ने अम्बेडकर जयंती पर लोगों को बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अम्बेडकर जयंती (14 अप्रैल) पर लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा, “संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रणेता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती पर सादर नमन। जय भीम!”

भारत में बने गाइडेड मिसाइल विध्वंसक पोत 'इंफाल' का जलावतरण

पीवीएसएम, एवीएसएम, नौसेना स्टाफ के एडीसी प्रमुख, एडमिरल सुनील लांबा ने 20 अप्रैल को मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में प्रोजेक्ट 15 बी के तीसरे पोत- गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर 'इम्फाल' का उद्घाटन किया। यह उद्घाटन भारत के स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन और निर्माण कार्यक्रम की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उद्घाटन समारोह के दौरान 3,037 टन वजन का यह युद्धपोत प्रथम बार करीब 1220 घंटे तक जल में रहा। एनडब्ल्यूडब्ल्यूए की अध्यक्ष श्रीमती रीना लांबा ने समुद्री परंपराओं के अनुरूप युद्धपोत के अग्रिम हिस्से पर एक नारियल को तोड़कर अथर्ववेद के मंत्रों के उच्चारण के साथ इसका शुभारंभ किया।

प्रोजेक्ट 15 बी युद्धपोतों में अत्याधुनिक उन्नत तकनीक की सुविधा है और यह विश्व में अपनी श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ युद्धपोतों के समान है। इन युद्धपोतों को भारतीय नौसेना के नई दिल्ली स्थित नौसेना डिजाइन निदेशालय द्वारा स्वदेश में तैयार किया गया है। प्रत्येक युद्धपोत की लंबाई 163 मीटर और बीम पर 17.4 मीटर है और इसकी क्षमता 7,300 टन है।

इन युद्धपोतों को 30 नॉटिकल मील से अधिक की गति देने के लिए इसमें चार गैस टर्बाइनों का उपयोग किया जाएगा। पी15बी विध्वंसक युद्धपोतों में बेहतर सुविधा, समुद्री क्षमता, स्टेल्थ और युद्ध के समय इसके बेहतर उपयोग की अवधारणाओं को ध्यान में रखते हुए नए डिजाइन के साथ तैयार किया गया है।

इस युद्धपोत में बेहतर स्टील्थ विशेषताओं को शामिल करने के साथ-साथ इसमें रडार पारदर्शी डेक फिटिंग्स का उपयोग भी किया गया है। इससे इन युद्धपोतों का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। पी15बी युद्धपोतों में दो बहु-आयामी हेलीकॉप्टरों को संचालित करने की भी सुविधा उपलब्ध है।

इन युद्धपोतों को अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस किया गया है, जिसमें बहु-कार्यात्मक निगरानी रडार, समुद्रीय और हवाई लक्ष्यों को भेदने वाली मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। इन युद्धपोत के का निर्माण स्वदेशी तकनीक के साथ किया गया है और यह देश की आत्मनिर्भरता का न सिर्फ एक महत्वपूर्ण संकेत हैं, बल्कि 'मेक इन इंडिया' की सफलता का एक शानदार उदाहरण है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में, मुख्य अतिथि एडमिरल सुनील लांबा ने एमडीएल, भारतीय नौसेना, डीआरडीओ, ओएफबी, बीईएल, अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और निजी उद्योग की सहक्रियात्मक भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि भारत के राष्ट्रीय रणनीतिक उद्देश्यों और सैन्य स्तर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सबकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस उपलब्धि से जुड़ी सभी एजेंसियों को भी बधाई दी। ■

भारतीय नौसेना और ऑस्ट्रेलिया की नौसेना का संयुक्त अभ्यास संपन्न

भारतीय नौसेना और ऑस्ट्रेलिया की नौसेना का दो सप्ताह का द्विपक्षीय मेरीटाइस संयुक्त अभ्यास ऑसिनडेक्स 14 अप्रैल, 2019 को संपन्न हो गया। पूर्वी बेड़े के नौसेना कर्मियों ने शाही ऑस्ट्रेलियाई जहाज कैनबरा, न्यूकैशल पैरामाटा को अपनी विदाई दी।

इस संयुक्त अभ्यास में दोनों देशों की ओर से सबसे अधिक संख्या में इकाइयों ने हिस्सा लिया। इनमें एकीकृत हेलीकॉप्टरों के साथ 4 अग्रणी जहाज, एक सबमेरीन तथा पी-81 तथा पी-8ए लंबी दूरी के मेरीटाइम सबमेरीन रोधी युद्धक विमान सहित अनेक विमान शामिल हुए। पहली बार अमेरिका के 55 और न्यूजीलैंड के 20 सैन्यकर्मियों ने शाही ऑस्ट्रेलियाई जहाज से इस संयुक्त अभ्यास को देखा।

तीसरा संयुक्त अभ्यास 2 अप्रैल, 2019 को प्रारंभ हुआ था। इस अभ्यास में सबमेरीन रोधी युद्ध अभ्यास, वायु रक्षा अभ्यास तथा लाइव फायर ड्रील, समुद्र में सामानों की पुनः प्राप्ति और एक दूसरे की डेक फ्लाईंग सहित भूरोधी युद्ध अभ्यास को शामिल किया गया था। इस द्विपक्षीय अभ्यास का उद्देश्य भारत तथा ऑस्ट्रेलिया के बीच पारस्परिक सहयोग और अंतर-संचालन को मजबूत बनाना और बढ़ाना है। ■

मार्च, 2019 में थोक महंगाई दर 3.18 प्रतिशत रही

मासिक थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मार्च, 2019 के दौरान 3.18 प्रतिशत रही, जबकि इससे पिछले महीने यह 2.93 प्रतिशत थी। वहीं, पिछले वर्ष के इसी महीने में यह 2.74 प्रतिशत रही थी।

'अखाद्य पदार्थों' के समूह का सूचकांक पिछले महीने के 126.8 अंक (अनंतिम) से 2.6 प्रतिशत घटकर मार्च, 2019 में 123.5 अंक (अनंतिम) हो गया। ऐसा औद्योगिक लकड़ी (16%), कच्चा रेशम (7%), सूर्यमुखी (4%), सरसों बीज (3%), करडी बीज (2%) तथा सोयाबीन, फूल, नारियल व नारियल रेशा (1% प्रत्येक) की कीमतों में कमी के कारण हुआ।

'खनिज' समूह का सूचकांक पिछले महीने के 139.3 अंक (अनंतिम) से 1.9 प्रतिशत घटकर 136.3 अंक (अनंतिम) हो गया। ऐसा मैंगनीज और लौह अयस्क (8% प्रत्येक), सिलिमेनाइट (7%), चूना पत्थर और क्रोमाइट (2% प्रत्येक) तथा शीशा और जस्ता सांद्र (1% प्रत्येक), की कीमतों में कमी आने के कारण हुआ। हालांकि गारनेट (12%) और सांद्र तांबा (1%) की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

'खाद्य उत्पादों के निर्माण' का सूचकांक पिछले महीने के 128.7 अंक (अनंतिम) से 0.5 प्रतिशत घटकर 128.5 अंक (अनंतिम) हो गया। ऐसा मेक्रोनी, नूडल्स और इसी तरह के उत्पाद (5%), नारियल तेल (4%), मछली प्रसंस्करण तथा राइस ब्रान ऑयल (3% प्रत्येक), फल व सब्जी प्रसंस्करण और पाम ऑयल (2% प्रत्येक) तथा कपास बीज तेल, सूजी, सोयाबीन तेल, बेसन, भैंसे का मांस (ताजा/ फ्रोजन), मसाले, नमक, वनस्पति, सरसो तेल, सूर्यमुखी तेल, कोको, चॉकलेट और चीनी कन्फैक्शनरी, घी और मैदा (प्रत्येक 1-1%) के मूल्य में कमी आने के कारण हुआ।

'खाद्य उत्पाद' समूह का सूचकांक पिछले महीने के 143.8 अंक (अनंतिम) से 0.9 प्रतिशत बढ़कर 145.1 अंक (अनंतिम) हो गया। ऐसा मटर/चावली (7%), फल और सब्जियां (6%), मक्का व ज्वार (3% प्रत्येक), बाजरा (2%) और मसूर (1%) के मूल्य बढ़ने के कारण हुआ। समुद्री मछली (6%), अंडा (5%), चना (3%), मांस, उड़द और मसाले व इलाइची (1% प्रत्येक) के मूल्यों में कमी दर्ज की गई।

ईंधन एवं बिजली (भारांक 13.15 प्रतिशत) समूह का सूचकांक पिछले महीने के 101.0 अंक (अनंतिम) से 2.3 प्रतिशत बढ़कर 103.3 अंक (अनंतिम) हो गया। 'खनिज तेल' समूह का सूचकांक पिछले महीने के 91.3 अंक (अनंतिम) से 4.1 प्रतिशत बढ़कर 95.0 अंक (अनंतिम) हो गया। ऐसा एटीएफ, फर्नेस ऑयल (9%), नैफ्था (9%), एलपीजी (6%), एचएसडी (2%), पेट्रोलियम कोक (3%) पेट्रोल (4%), केरोसिन (5%) और बिटुमिन (1%) के दाम बढ़ने के कारण हुआ। ■

श्रीलंका में आतंकी हमले की निंदा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने शोक संदेश जारी कर कहा कि श्रीलंका में हुए जघन्य एवं कायराना आतंकी हमले से मैं अत्यधिक दुःखी और शोक-संतप्त हूं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से मैं इस भयावह आतंकी हमले की घोर निंदा करता हूं। पार्टी इस आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है। भारत इस कठिनतम समय में अपने पड़ोसी राष्ट्र के साथ मजबूती से खड़ा है. साथ ही भगवान से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवार को धैर्य और साहस प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आतंकवाद पूरे विश्व के लिए अभिशाप बन चुका है। विश्व के लगभग सभी देश इस नासूर से पीड़ित हैं। भारत लंबे समय से आतंकवाद से जंग लड़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम आतंकवाद को जड़ से ख़त्म करने के लिए तैयार हैं। अब समय आ गया है कि विश्व के समस्त देश शांति, समृद्धि और सुरक्षा के लिए आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में एकजुट हों ताकि आने वाली पीढ़ियों को हम एक बेहतर भविष्य दे पायें। ■

देश भर के 400 से अधिक साहित्यकारों ने दिया नरेन्द्र मोदी को अपना समर्थन

भारतीय साहित्यकार संगठन की पहल पर भारतीय भाषाओं के 400 से अधिक साहित्यकारों ने लोकसभा चुनाव को लेकर देश के यशस्वी नेता श्री नरेन्द्र मोदी को अपना समर्थन दिया।

गत 20 अप्रैल को नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित एक पत्रकार-वार्ता में भारतीय साहित्यकार संगठन के अध्यक्ष श्री दयाप्रकाश सिन्हा एवं महामंत्री प्रो. कुमुद शर्मा ने यह जानकारी दी। पत्रकार-वार्ता को प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. नरेन्द्र कोहली, सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. सूर्यकांत बाली और डॉ. अवनिजेश अवस्थी ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर प्रो. कुमुद शर्मा ने संगठन द्वारा जारी अपील का पाठ किया, जिसमें कहा गया है कि हम सभी साहित्यकार देशवासियों से अपील करते हैं कि आप अपना बहुमूल्य वोट देश की अखंडता, सुरक्षा, स्वाभिमान, संप्रभुता, सांप्रदायिक सद्भाव, सर्वांगीण विकास आदि को बनाए रखने के लिए दें। अपील में आगे आह्वान किया गया है कि अखिल विश्व में अपने भारतवर्ष को प्रतिष्ठित करने, राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध एवं अंतिम जन तक विकास की नई धारा प्रवाहित करनेवाले यशस्वी नेता श्री नरेन्द्र मोदी को अपना समर्थन दें। प्रो. शर्मा ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए हम उन्हें चुनें जो नैतिक और पारदर्शी सरकार दे सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान नेतृत्व ने त्याग और तपस्या की मिसाल कायम करते हुए देश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। हमें मौजूदा सरकार से बहुत उम्मीदें हैं।

लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार डॉ. नरेन्द्र कोहली ने कहा कि लेखक स्वतंत्रता होता है। लेकिन हमारे विरोधी इकट्ठे हो रहे हैं। वे कहते हैं कि यहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है। लेकिन सच यह है कि जितनी स्वतंत्रता यहां है, उतनी कहीं नहीं है। डॉ. कोहली ने साहित्यकारों का आह्वान करते हुए कहा कि आप किसको चुन रहे हैं, इसका ध्यान रखना होगा। उन्होंने कहा कि कलयुग में शक्ति संघ में होती है। आप देश की रक्षा के लिए नहीं लड़ते हैं तो अधर्म कर रहे हैं। हमें राष्ट्रीयता का पक्ष लेकर सात्विक व्यक्तित्व को चुनना होगा।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. अवनिजेश अवस्थी ने कहा कि लोकतंत्र में वोट देना महत्त्वपूर्ण होता है। हमारा कर्तव्य है कि लोकतंत्र के महापर्व में नागरिक जागृत हों। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि झूठ का सहारा लिया जा रहा है। हम तथ्य और सत्य के साथ आगे बढ़ें और भारत के पक्ष में मतदान करें। सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. सूर्यकांत बाली ने स्त्री सम्मान का मुद्दा उठाते हुए पिछले तीन-चार दिनों में घटी तीन घटनाओं पर क्षोभ प्रकट करते हुए कहा कि आजमगढ़ में एक नेता द्वारा जयाप्रदा का अपमान किया गया, प्रियंका चतुर्वेदी का अपमान हुआ और प्रज्ञा ठाकुर के जो बयान सामने आए हैं वे रोंगटे खड़े करनेवाले हैं। डॉ. बाली ने सीता, द्रौपदी, दुर्गा से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब-जब स्त्री का अपमान हुआ है, तब-तब इसके प्रतिरोध के लिए समाज के अंदर नयी चेतना आई है। उन्होंने कहा कि आज हमें यह तय करना है कि क्या स्त्री का अपमान करनेवाले को समर्थन देंगे या फिर उन्हें जिनकी दृष्टि है 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'। भारतीय साहित्यकार संगठन के अध्यक्ष श्री दयाप्रकाश सिन्हा ने कहा कि प्राचीन काल से साहित्यकारों ने इस देश की राष्ट्रीयता को पुष्ट किया है। लेकिन कम्युटनिस्टों ने साहित्य का दुरुपयोग किया है, अनेक पुरस्कारों और कुचक्रों के माध्यम से साहित्य का अहित किया। इस अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी www.writers4india.com पर प्रस्तुत की गई है। ■

बुद्धिजीवियों द्वारा शुरू की गयी 'एकेडेमिक्स फॉर नमो' अभियान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में बुद्धिजीवियों एवं शिक्षाविदों के बीच एक माह पूर्व शुरू हुए एकेडेमिक्स फॉर नमो अभियान में देश के करीब 300 शिक्षण संस्थानों के लगभग 1500 प्रोफेसर, विचारक एवं बुद्धिजीवी शामिल हो गये हैं और विभिन्न प्रांतों, शहरों एवं कस्बों में मोदी सरकार के कार्यकाल में आये ऐतिहासिक परिवर्तन को अपने-अपने दृष्टिकोण से रेखांकित कर रहे हैं।

इस अभियान को एक माह पूर्व राजधानी में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के करीब 30 प्रोफेसरों ने मिल कर शुरू किया था और उन्होंने बुद्धिजीवी तबकों में मोदी सरकार के काम से आये बदलाव को लेकर गुणवत्तापूर्ण बहस शुरू करने और इस वर्ग में उनकी स्वीकार्यता को बढ़ाने के लिए शुरू किया था। इस अभियान को सोशल मीडिया के माध्यम से देश भर में फैलाया गया है और विचारों के समन्वय के मंच के रूप में एक वेबसाइट www.academics4namo.com भी शुरू की गयी है।

इसके लिए मोदी सरकार की योजनाओं पर लेख प्रतियोगिता आदि का भी आयोजन किया जा रहा है। अभियान के कोर टीम के सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री स्वदेश सिंह का कहना है कि 2019 का चुनाव सिर्फ एक सरकार चुनना या सांसद चुनना नहीं है बल्कि एक विचार को भी चुनना है। एक तरफ भाजपा की विचारधारा है, देश के विकास, सुशासन, सुरक्षा, राष्ट्रवाद पल्लवित करने की, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस वंशवाद पर आधारित राजनीति, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की विचारधारा है। ■

पुस्तक चर्चा

मोदी सरकार की योजनाओं पर जमीनी नजर डालने वाली किताब है 'विकास के पथ पर भारत'

विकास के पथ पर भारत' तथ्यात्मक सामग्री एवं गहन आंकड़ों के अध्ययन के आधार पर लिखी गई किताब है। समसामयिक विषयों पर नजर रखने वाले पाठकों के लिए यह किताब किसी गोल्डन सोर्स से कम नहीं है।

किताब को डॉ. सौरभ मालवीय ने लिखा है जो माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक हैं। किताब में लेखक ने मोदी सरकार की 34 योजनाओं की जमीनी हकीकत का विश्लेषण किया है। सभी योजनाओं पर संबंधित मंत्रालयों से मिले आंकड़ों के आधार पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है।

पुस्तक में डॉ. मालवीय ने राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, परंपरागत खेती विकास योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि बाजार यानी ई-नाम, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, दीनदयाल अंत्योदय योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय आयुश मिशन, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, प्रधानमंत्री महिला शक्ति केंद्र योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सेतु भारतम योजना, ग्राम उदय से भारत उदय अभियान, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, स्मार्ट सिटी योजना, शादी शगुन योजना, हज नीति, नमामि गंगे योजना, स्मार्ट गंगा सिटी परियोजना, श्रमिक कल्याण की योजनाएं, पूर्वोत्तर के लिए योजनाएं, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, वन धन योजना, दिव्यांगों के लिए योजनाएं, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान और संकल्प से सिद्धी योजनाओं का उल्लेख किया है। ■

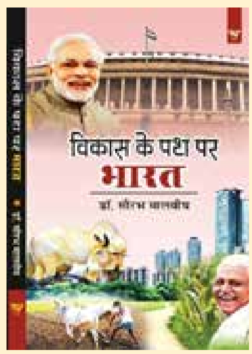

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)................................ (2)................................

ईमेल : ....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चैक/ड्राफ्ट क्र. :................................ दिनांक :............................ बैंक : ....

नोट : डीडी / चैक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

एटा (उत्तर प्रदेश) में एक विशाल सभा का जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य

बुनियादपुर (पश्चिम बंगाल) में एक विशाल रैली का जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

तिरुवनंतपुरम (केरल) में एक विशाल जन सभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित

आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-19